सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 285 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 28 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### छत्तीसगढ़ में अब तक 541.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज, बीजापुर में सबसे अधिक बारिश

**रायपुर।** राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 541.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 28 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1304.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 201.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 324.2 मिमी, बलरामपुर में 460.7 मिमी, जशपुर में 347.9 मिमी, कोरिया में 343.6 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 370.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 468.1 मिमी, बलौदाबाजार में 622.9 मिमी, गरियाबंद में 596.1 मिमी, महासमुंद में 429.5 मिमी, धमतरी में 620.3 मिमी, बिलासपुर में 532.2 मिमी, मुंगेली में 557.0 मिमी, रायगढ़ में 413.9 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 252.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 494.9 मिमी, सक्ती में 377.4 कोरबा में 614.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 488.7 मिमी, दुर्ग में 339.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 441.9 मिमी, राजनांदगांव में 601.4 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 717.5 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 412.8 मिमी, बालोद में 709.4 मिमी, बेमेतरा में 341.7 मिमी, बस्तर में 671.5 मिमी, कोण्डागांव में 640.9 मिमी, कांकेर में 809.5 मिमी, नारायणपुर में 717.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 763.5 मिमी और सुकमा जिले में 877.9 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

### हैदराबाद-रक्सौल व इंदौर-पुरी हमसफर में अतिरिक्त कोच

**बिलासपुर।** रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 17005/17006 हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस में 2 जनरल कोच की सुविधा स्थाई रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस में 28 नवम्बर 2024 से और गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस में 1 दिसम्बर 2024 से उपलब्ध रहेगी। इन ट्रेन में अतिरिक्त जनरल कोच के जुड़ने के बाद इस गाड़ी में 4 जनरल कोच की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इससे यात्रियों को जनरलमें सफर करने की सुविधा मिलेगी।

# रामेन डेका बने छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बदले 10 राज्यों के राज्यपाल, छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी रहे ओम माथुर बने सिक्किम के राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के समेत 10 राज्यों के राज्यपाल बदल दिए गए हैं। असम के रामेन डेका छत्तीसगढ़ के नौवें राज्यपाल बनाए गए हैं। इससे पहले छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी बिस्वभूषण हरिचंदन संभाल रहे थे। इसके साथ ही महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस की जगह भी नए राज्यपाल को नियुक्ति दी गई है। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन अब महाराष्ट्र के राज्यपाल होंगे। यही नहीं छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी रहे ओम माथुर को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल बनने पर रामेन डेका को बधाई दी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, पंजाब समेत 10 राज्यों के राज्यपालों की नई नियुक्ति की। द्रोपदी मुर्मू ने अमस के रामेड डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल बनाया है। रामेन डेका के राज्यपाल बनने पर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि आदरणीय श्री रामेन डेका जी को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।निश्चित ही एक संरक्षक के रूप में आपके विशाल सामाजिक, राजनीतिक एवं संसदीय अनुभव का लाभ 3 करोड़ छत्तीसगढ़वासियों को मिलेगा। समस्त छत्तीसगढ़वासी आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं।

### असम के रहने वाले रामेड डेका

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल रामेन डेका असम के रहने वाले हैं। इनका जन्म 1 मार्च 1954 को असम के कामरूप जिले के सुआलकुची में हुआ था। वे असम की मंगलदोई लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर दो बार सांसद रह चुके हैं। वह [illegible] के संस्थापक सदस्यों में भी हैं। असम बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं। रामेन डेका छत्तीसगढ़ के 9वें राज्यपाल होंगे। मध्य प्रदेश के राज्यपाल रामनरेश यादव और आनंदीबेन पटेल राज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल चुके हैं। पूर्णकालिक राज्यपाल के रूप में 8 राज्यपाल प्रदेश में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

### बिस्वभूषण हरिचंदन ने डेढ साल पहले संभाला था पद

बिस्वभूषण हरिचंदन डेढ़ साल पहले छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बने थे। फरवरी 2023 में बिस्वभूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। अब उनकी जगह असम के रामेन डेका ये जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के रायपुर से 7 बार सांसद रहे रमेश बैस महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से हटा दिए गए हैं। उन्हें अभी नई नियुक्ति नहीं दी गई है। वहीं सिक्किम के गवर्नर बनाए गए बीजेपी के सीनियर लीडर ओम प्रकाश माथुर विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रभारी रहे। उनके प्रभारी रहते छत्तीसगढ़ में भाजपा ने सरकार बनाई और अब उन्हें इसका इनाम मिल गया।

# मंदिर हसौद, बांकी मोंगरा, पंडरिया और लोरमी में शुरू होगी मोर संगवारी योजना, घर बैठे मिलेगा 27 सेवाओं का लाभ

■ उप मुख्यमंत्री अरुण साव 29 जुलाई को योजना का करेंगे विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव 29 जुलाई को राज्य की चार नवगठित नगर पालिकाओं मंदिर हसौद, बांकी मोंगरा, लोरमी और पंडरिया में मोर संगवारी योजना का विस्तार करेंगे। वे इस दिन लोरमी के मानस मंच में आयोजित कार्यक्रम में चारों नई नगर पालिकाओं में योजना का शुभारंभ करेंगे।

शहरी नागरिकों की सुविधाएं बढ़ाने कार्यक्रम में ''मोर संगवारी''

अपांइटमेंट मोबाइल एप भी लॉन्च किया जाएगा। ''मोर संगवारी'' सेवा के अंतर्गत नागरिकों के लिए चैट बोट की सुविधा वाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही तत्काल अपांइटमेंट लिए जाने और मुहैया कराई जा रही सेवाओं के लिए आवश्यक दस्तावेज संबंधी सभी जानकारियां भी प्रदान की जाएगी। शासकीय कार्यालयों से नागरिक सेवाएं घरों तक पहुंचाने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में चरणबद्ध रूप से मोर संगवारी योजना का विस्तार किया जा रहा है।

राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पाण्डेय ने बताया कि आमजनों तक शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से पहुंचाने के लिए राज्य में ''मोर संगवारी'' योजना संचालित की जा रही है। इसमें 27 तरह की सेवाएं नागरिकों को बिना किसी व्यवधान और कार्यालय जाए बिना उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी दस्तावेज बनवाने की यह घर पहुंच सेवा वर्तमान में प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों, 44 नगर पालिकाओं तथा दो नगर पंचायतों अंबागढ़ चौकी और गौरेला में संचालित की जा रही है। ''मोर संगवारी'' के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 27 प्रकार की शासकीय सेवाएं जैसे राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि सेवाओं के लिए टोल-फ्री नंबर 14545 जारी किया गया है। ये सेवाएं सभी कार्य दिवसों में प्रात: आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक संचालित की जा रही हैं।

# पेरिस ओलंपिक में पीवी सिंधू ने जीत से की शुरुआत

**पेरिस (ए.)।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत एकतरफा जीत के साथ की। सिंधू ने महिला एकल के ग्रुप चरण मुकाबले में रविवार को सीधे गेम में मालदीव की फातिमाथ अब्दुल रज्जाक नाबाह को हराया।

अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए चुनौती पेश कर रहीं सिंधू ने अपने से कम रैंकिंग की खिलाड़ी को ग्रुप-एम के मुकाबले में 21-9, 21-6 से हराया। सिंधू ने महज 29 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया और अपनी प्रतिद्वंद्वी को किसी भी समय अपने

ऊपर हावी होने का मौका नहीं दिया। रियो ओलंपिक में रजत पदक और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य अपने नाम करने वाली 10वीं वरीयता प्राप्त सिंधू अब ग्रुप चरण के अपने दूसरे मुकाबले में बुधवार को विश्व की 75वें नंबर की खिलाड़ी एस्टोनिया की क्रिस्टिन कूबा का सामना करेंगी।

# दिल्ली में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में भरा पानी, तीन स्टूडेंट्स की मौत

■ तीन मिनट में भर गया था 12 फीट पानी, छात्रों का प्रदर्शन, सियासत तेज

**नईदिल्ली (ए.)।** भारी बारिश के कारण शनिवार शाम को दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर के राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। पानी इतनी तेजी से भरा कि बेसमेंट में अफरातफरी मच गई। महज तीन मिनट के भीतर 12 फीट तक पानी भर गया और इस हादसे में 3 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शाम 7 बाद एनडीआरएफ को बुलाया गया। देर रात को ही 3 स्टूडेंट के शव निकाले गए। वहीं, 14 छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाम

7 बजे लाइब्रेरी बंद हो रही थी, उसी समय स्टूडेंट बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान बहुत तेज प्रेशर से पानी अंदर आने लगा। लाइब्रेरी से निकलने का 1 ही गेट है। बेसमेंट से निकलने के लिए भी 1 ही सीढ़ी है। प्रत्यक्षदर्शी एक छात्र ने बताया कि जब तक वे लाइब्रेरी खाली करते, तब तक पानी घुटनों तक भर चुका था। बहाव इतना तेज था कि सीढ़ियां चढ़ना मुश्किल हो रहा था। महज 2-3 मिनट में ही पूरे बेसमेंट में 10-12 फीट पानी भर गया था। बच्चों को बचाने के लिए रस्सियां फेंकी गईं, लेकिन पानी गंदा था, इसलिए रस्सियां दिखाई नहीं दी। अभी साफनहीं हुआ है कि अचानक तेज प्रेशर से अंदर पानी कैसे आया। इस मामले में पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में भी लिया है। वहीं दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने घटना के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी दिए हैं।

इस घटना को लेकर छात्रों ने एमसीडी, दिल्ली सरकार और कोचिंग सेंटरों के खिलाफमोर्चा खोल दिया है। वहीं एक छात्र ने दावा किया है कि बेसमेंट में तीन हीं बल्कि आठ से दस छात्रों की मौत हुई है। फिलहाल, रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो चुका है। दिल्ली पुलिस ने आंकड़ों पर जबाव भी दे दिया है। छात्रों की मांग यह है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। तत्काल घायलों और मौतों की वास्तविक संख्या बताई जाए। बेसमेंट में लाइब्रेरी बंद होनी चाहिए। यहां बेसमेंट में खोली गई ये सारी चीजें अवैध रूप से संचालित की जा रही हैं और सुरक्षा के कोई उपाय नहीं हैं। इसलिए इन सब चीजों को बंद किया जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए।

### स्वाति मालीवाल का आप सरकार पर तंज

राज्यसभा सांसद स्वाति मालवाल ने कहा कि अभी राजेंद्र नगर में यूपीएससी के छात्रों से मुलाकात की। सबने बहुत अच्छे से मुझसे बात की और अपनी जायज पीड़ा बताई। उनके मन में बहुत गुस्सा है कि अभी तक दिल्ली सरकार के मंत्री और मेयर उनसे मिलने नहीं आये। इनका गुस्सा बिलकुल जायज है क्योंकि ये आपदा नहीं मर्डर है। बेशर्मी देखिए अभी भी जवाबदेही की जगह, विधायक और पार्षद कुछ वॉलंटियर्स को छात्रों के बीच में भेज कर मेरे खिलाफ़ नारे लगवाने में दिमाग चला रहे हैं। ये इसलिए क्योंकि मैं मांग कर रही हूं कि इनके खिलाफ भी एफआईआर होनी चाहिए। तुरंत मंत्री और मेयर को अपने आलीशान घर और एसी कमरों से निकल के इन बच्चों से आके माफी मांगनी चाहिए।

### त्रासदी नहीं बल्कि हत्या है: सचदेवा

उधर, नई दिल्ली की संसद बांसुरी स्वराज के अलावा दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय, विधायक दुर्गेश पाठक और भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा घटनास्थल पर पहुंचे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वहां जो हुआ वह त्रासदी नहीं बल्कि हत्या है। बेसमेंट में लाइब्रेरी कैसे चल रही थी? पहले जो जांच बैठाई गई थी उसका क्या हुआ?। भाजपा का कहना है कि यह साफतौर पर नालों की सफाई न होने के कारण हुई दुर्घटना है और नाले का पानी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बहुत तेजी घुसा। इस दुर्घटना के लिए दिल्ली सरकार की आपराधिक लापरवाही जिम्मेदार है। जल बोर्ड मंत्री आतिशी और स्थानीय विधायक दुर्गेश पाठक को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

# मन की बात: पीएम मोदी ने कहा पेरिस ओलंपिक में खिलाड़ियों का बढ़ाएं हौसला, चराइदेव मैदाम जरूर जाएं

**नईदिल्ली (ए.)।** मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में पेरिस ओलंपिक छाया है। ओलंपिक हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है। ओलंपिक देश के लिए कुछ करने का मौका देता है। आप भी अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाइये। चीयर फॉर भारत।

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चराइदेव मैदाम को यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया जा रहा है। सूची में यह भारत की 43वीं और पूर्वोत्तर की पहली साइट है। चराई देव मैदाम शाइनिंग सिटी

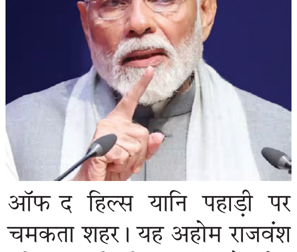

ऑफ द हिल्स यानि पहाड़ी पर चमकता शहर। यह अहोम राजवंश की राजधानी थी। राजवंश के लोग अपने पूर्वजों के शव और कीमती चीजों को मैदाम में रखते थे। मैदाम टीलेनुमा ढांचा होता है और मिट्टी से ढका होता है। इसके नीचे कई कमरे होते हैं। मैदान अहोम के दिवंगत राजाओं के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। इस जगह सामुदायिक पूजा होती थी। अहोम साम्राज्य 13 वीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी तक चला। अहोम साम्राज्य के सिद्धांत इतने मजबूत थे कि उनसे साम्राज्य को लंबे समय तक कायम रखा। नौ मार्च को मैनें महान योद्धा लसित की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में अहोम समुदाय की परंपरा का पालन करते हुए गर्व महसूस हुआ। अब चराइ देव मैदाम में अधिक पर्यटक आएंगे। आप भी अपने ट्रैवल प्लान में इसे शामिल करें।

पीएम मोदी ने कहा कि कल दुनियाभर में टाइगर डे मनेगा। भारत में टाइटर संस्कृति का हिस्सा रहा है। बाघों के संरक्षण के प्रयास हो रहे हैं। राजस्थान का कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान में लोगों ने शपथ ली कि कुल्हाड़ी के साथ जंगल नहीं जाएंगे और पेड़ नहीं काटेंगे। जंगल हरे भरे हो रहे हैं। महाराष्ट्र के बांध रिजर्व के पास बसे समुदाय ने इको टूरिज्म को अपनाया।

आंध्र में चेंचू जनजाति टाइगर ट्रैकर्स के तौर पर वन्य जीवों के मूवमेंट की जानकारी जमा की है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में चल रहा बाघ मित्र कार्यक्रम भी अनूठा है। इसमें लोगों को बाघ मित्र बनाया जा रहा। ये बाघ और इंसानों के बीच टकराव रोकते हैं। बाघों के संरक्षण में जन भागीदारी अहम है। बाघों की आबादी देश में बढ़ी है। यहां दुनियाभर के मुकाबले 70 फीसदी बाघ हैं। वन क्षेत्र भी बढ़ रहा।

## संपादकीय

# शक्ति प्रदर्शन से होती है जनता को परेशानी

राजनीतिक दल चुनाव हार जाते हैं तो जनता उनको सत्ता न सौंपकर किसी एक दल को सत्ता सौंप देती है तो कायदे से जनता ने उनको विपक्ष का काम करने को कहा तो वही करना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि जिसे जनता सत्ता के लायक नहीं समझती है, वह सरकार से खुद को हर तरह से लायक साबित करने जुट जाता है। उसके लिए सबसे आसान होता है कि सरकार को हर क्षेत्र में फेल बताना।रोज बयान जारी करना होता है, सरकार इस क्षेत्र में फेल है, सरकार उस क्षेत्र में फेल है। इसके लिए वह कोई रचनात्मक काम नहीं करता है। ऐसा काम भी नहीं करता है जो जनता को अच्छा लगे। इसके लिए वह रोज बयान जारी करने के साथ ही हर तीन चार माह में शक्तिप्रदर्शन करता है। यह जानते हुए भी शक्ति प्रदर्शन करता है कि उससे न तो राज्य को फायदा होना है और न ही जनता को कोई फायदा होना है। शक्ति प्रदर्शन से जनता को कई दिन तक परेशानी होती है। अगर राज्य में विधानसभा सत्र चल रहा हो तो विपक्ष की कोशिश तो यही होती है कि विधानसभा घेराव कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया जाए।

> ऐसा नहीं है कि विपक्ष के शक्ति प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरना जरूरी है। विधानसभा सत्र चल रहा है तो हर मुद्दे पर विपक्ष अपनी शक्ति का प्रदर्शन विधानसभा में कर सकता है। विधानसभा में शक्ति प्रदर्शन में वह मजा कहां होता है, जो सड़क पर हजारों लोगों की भीड़ के बीच होता है। ज्यादा भीड़ होती है तो नेताओं को लगता है कि वह वाकई बड़े नेता हैं।

पुलिस के साथ घक्का मुक्की,जोर आजमाइश होने पर ही ऐसा लगता है कि पार्टी के लोगों ने जनता के लिए संघर्ष किया है।जो नेता घायल हो जाते है, उनकी तस्वीरें दूसरे दिन छपती है. यह सबूत होती है कि फलाने नेता ने जनता के लिए अपना खून बहाया था। पार्टी के लिए कितना बड़ा काम किया था। घायल नेताओं की तस्वीर उनके लिए मेडल की तरह होती है। कोई राजनीतिक दल विधानसभा घेराव करने की घोषणा करता है तो उसके साथ ही पुलिस की तैयारी भी शुरू हो जाती है। राजनीतिक दल जितना बडा होता है, उसके कार्यक्रम में उतनी ही ज्यादा भीड़ जुटती है, इसलिए पुलिस को दल को देखकर अपनी तैयारी करनी पड़ती है। बड़ा राजनीतिक दल है सड़क को एक दो दिन पहले बंद कर दिया जाता है।इससे हजारों लोगों को परेशानी होती है तो होती रहे। विधानसभा घेराव करने वालो को कोई खास फर्क नहीं पड़ता है.। ज्यादा हुआ तो घेराव करने वाले दल का कोई बड़ा नेता यह बयान दे देगा कि हम नहीं चाहते हैं कि हमारे कार्यक्रम से जनता को परेशानी हो। सरकार ने तो हमे मजबूर कर दिया है घेराव करने के लिए। यानी घेराव कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों को हुई परेशानी के लिए राजनीतिक दल नहीं सरकार जिम्मेदार है।

धरना प्रदर्शन करने वाले,आदोंलन करने वाले सभी राजनीतिक दल जानते है, सभी संगठन भी जानते हैं कि इससे जनता को बहुत परेशानी होती है। लेकिन वह ऐसा कोई रास्ता नहीं निकालते हैं जिससे वह धरना प्रदर्शन भी करे और जनता को कोई परेशानी न हो।कांग्रेस ने 24 जुलाई को विधानसभा को घेराव किया तो शहर की एक सड़क को बंद किया गया। इससे 14 वार्डों की सड़कों व गलियों में जाम लगा रहा। लोग अपने घरों से नहीं निकल सके। ठेला खोमचेवालों को एक दो दिन कमाई नहीं हुई।घेराव को लेकर कांग्रेस नेता का बयान पेपर में पढ़ने को मिला कि लोगों के लिए न्याय मांगने और सरकार को नींद से जगाने के लिए कांग्रेस को विधानसभा का घेराव करना पड़ा।यह बयान पढ़कर जाम से परेशान लोगों ने जरूर यह कहा होगा। हमारे लिए न्याय इस तरह मत मांगो कि हमें परेशानी हो। हमारे लिए न्याय मांगना है तो इस तरह मांगो कि हमें कोई परेशानी न हो।यह किसी एक राजनीतिक दल की बात नहीं है, सभी राजनीतिक दल विपक्ष में रहने पर यही करते हैं। पता नहीं राजनीतिक दलों को कब यह बात समझ में आएगी कि जनता को परेशान कर जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

## आरक्षण को लेकर आंदोलन बेकाबू

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंडरा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया। चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा बन गया है।

भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह-युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीड़ित है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़ रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।

भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पड़ने पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश 'कुकी लैंड' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पश्चिमी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है।

इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10-10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद यह व्यवस्था ठंडे बस्ते में डाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।' यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़ी बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भूलाना और रजाकारों का महिमामंडन कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

**( ये लेखक के विचार हैं )**

नजरिया

# बुध पर हीरे की मोटी परत से उम्मीदों को लगे पंख

*हीरे की गिनती देश के सबसे महंगे रत्नों में होती है। अगर करीब 15 किलोमीटर क्षेत्रफल में हीरे ही हीरे बिछे हुए मिल जाएं, तो क्या होगा? वैज्ञानिकों को बुध ग्रह की सतह के नीचे भारी मात्रा में हीरे मिले हैं। उनका आकलन है कि वहां लगभग नौ मील, यानी 14.48 किलोमीटर मोटी हीरे की परत है।*

निरंकार सिंह,
पूर्व सहायक संपादक, हिंदी विश्वकोश

इसका खुलासा हाल ही में नेचर कम्युनिकेशन्स जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट से हुआ है। जाहिर है, इतनी मात्रा में मौजूद हीरे को धरती पर नहीं लाया जा सकता, पर इसके अध्ययन से बुध ग्रह के बनने और उसके मैग्नेटिक फील्ड की जानकारी जरूर हासिल की जा सकती है।

बीजिंग में 'सेंटर फॉर हाई प्रेशर साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी एडवांस्ड रिसर्च' के वैज्ञानिक और सह-लेखक यानहाओ ली की मानें, तो बुध भी शायद अन्य ग्रहों की तरह मैग्मा महासागर के ठंडा होने से बना। यह महासागर कार्बन और सिलिकेट से समृद्ध था। शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर मॉडल की मदद से बुध की कोर-मेंटल सीमा का अध्ययन किया और उस पर दबाव व तापमान का माप हासिल किया। उन्होंने उन भौतिक दशाओं का सूक्ष्म विश्लेषण किया, जिनसे ग्रेफाइट या हीरा स्थिर होता है। इसके अलावा बुध पर इससे पहले खोजी गई धातुओं का रासायनिक सूप तैयार किया गया। इसके कंप्यूटर सिमुलेशन से यह पता चला कि अत्यधिक तापमान पर ये धातुएं क्रिस्टलाइज्ड होकर हीरा बन जाती हैं। इससे पहले अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मैसेंजर मिशन ने बुध की सतह पर काले धब्बे देखे थे, जो ग्रेफाइट के थे। यह कार्बन का ही एक रूप है। बुध पर कार्बन की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों को आगे शोध के लिए प्रेरित किया। शोधकर्ताओं का कहना है कि हीरे की परत बुध की सतह से करीब 485 किमी नीचे है। इस ग्रह का तापमान दिन के समय 430 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

दो साल पहले टेक्सास के वुडलैंड्स में चंद्र और ग्रह विज्ञान सम्मेलन में कोलोराडो स्कूल ऑफ माइन्स के डॉकेविन कैनन ने बुध ग्रह की संरचना के बारे में काफी आश्चर्यजनक ब्योरे प्रस्तुत किए थे। कैनन ने उनमें बताया था कि बुध के उल्का पिंडों से भरे होने और इसके कुछ अनोखे गुणों के कारण यह ग्रह 'हीरों से जड़ा हुआ' हो सकता है। बुध की अनोखी संरचना की कहानी तब शुरू हुई, जब इसका निर्माण हुआ। कई चट्टानी ग्रहों की तरह बुध की पपड़ी मैग्मा महासागर से क्रिस्टलीकृत होकर बनी। हालांकि, बुध पर यह खोल हमारे सौरमंडल के अन्य चट्टानी ग्रहों से अलग मिला था : यह कार्बन से बना था, जो एक ग्रेफाइट 'खोल' बनाता था। हम अपने सौरमंडल में कहीं और कार्बन खोल नहीं देखते हैं, क्योंकि बुध के कुछ अनोखे गुण हैं, यानी यह तथ्य कि इसमें वायुमंडल नहीं है। अरबों वर्षों से इसका वायुमंडल न होने के कारण यह ग्रह उल्का पिंडों से होने वाले नुकसान से नहीं बच पाया।

पृथ्वी पर हीरे भूमिगत रूप से बहुत गहराई में बनते हैं। मेंटल के भीतर, लगभग 150 किलोमीटर की गहराई में हीरे बनाने के लिए दबाव और तापमान काफी अधिक होता है। यही हीरे बाद में ज्वालामुखी विस्फोट के दौरान सतह पर आ जाते हैं। बहरहाल, जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा, बुध की सतह पर उथल-पुथल मचेगी। टकराव से कार्बन की ऊपरी परतें फेल्डस्पार या पाइरोक्सिन जैसे खनिजों में सिलिकॉन की निचली परतों के साथ मिल जाएंगी। लावा प्रवाह ग्रेफाइट को भी ढक देगा। लेकिन हीरे के तब भी वहां बने रहने की संभावना है, भले ही वे दबे हुए रहें। दरअसल, हीरे 4,027 डिग्री सेल्सियस (7,281 डिग्री फॉरेनहाइट) पर पिघलते हैं, इसलिए एक बार बनने के बाद उन्हें नष्ट होने में बहुत समय लगता है।

बुध ग्रह चट्टानी ग्रहों में अद्वितीय है, क्योंकि इसके इतिहास के आरंभ में ही इसमें ग्रेफाइट का आवरण बन गया था। कार्बन की यह उच्च सांद्रता अरबों वर्षों के दौरान उल्का पिंडों के प्रभाव से हीरे में परिवर्तित हो गई होगी। बेपी कोलंबो मिशन के साथ बुध की सतह पर हीरे की पुष्टि कुछ वर्षों में हो सकती है। नासा के मैसेंजर, जिसने चार साल तक बुध की परिक्रमा की, इन हीरों का पता नहीं लगा सका। हालांकि, ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि मैसेंजर ने सतह की तस्वीर इन्फ्रारेड में ली थी, जहां हीरे का कोई वर्णक्रमीय हस्ताक्षर नहीं होता है। अगले साल जब बेपीकोलंबो मिशन बुध पर पहुंचेगा, तो वह उसे पहचान सकेगा। बहरहाल, इस नए उद्घाटन से खगोल वैज्ञानिक इस ग्रह के और अध्ययन में जुटेंगे।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

# जब कारगिल से हमने दुश्मन को खदेड़ा

मोहन भण्डारी, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड)

वह 7 मई, 1999 की दोपहर थी, जब नई दिल्ली स्थित मिलिट्री ऑपरेशन्स (एमओ) निदेशालय से मेरे डायरेक्टर का फोन आया और मुझसे कहा गया कि जैसे ही हम पालम उतरें, चीफको लेकर सीधे ऑपरेशन रूम में पहुंच जाएं। उस वक्त मैं चीफ के साथ एक मिशन के लिए नाल-बीकानेर एयरफील्ड पर था। इस फोन की सूचना मैंने तुरंत चीफ को दी और करीब सात बजे हम एमओ निदेशालय पहुंच गए, जहां डीजीएमओ ने काली डंगरी पहने लोगों द्वारा घुसपैठ की खबर दी और बताया कि यल्दोर सब-सेक्टर में बंजू व कुकरथांग के पास हमारी सुरक्षा पंक्ति के सामने की चट्टानों से कुछ रेडियो एंटिना को बाहर निकले देखा गया है।

बाद में, जब कारगिल के सभी सब-सेक्टरों में घुसपैठ की सूचना आई, तो स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने एक सुनियोजित सैन्य कार्रवाई की है। जैसे-जैसे चीजें साफहोती गईं, यह भी पता चलने लगा कि इस दुस्साहस में पाकिस्तानी फौज की कुल 14 नियमित टुकड़ियां शामिल हैं। साथ ही, पाकिस्तानी तोप की 35 टुकड़ियां और अत्याधुनिक हथियारों का भी इसमें इस्तेमाल किया गया है। जाहिर है, आईबी और रॉ दुश्मन के इस दुस्साहस की भनक पाने में विफल रहे थे। ऑपरेशन रूम में सुरक्षा मामलों से जुड़ी कैबिनेट समिति की बैठक में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा, जो होना था, हो गया, अब आगे की सुध लीजिए। लाहौर की अपनी ऐतिहासिक बस यात्रा के बाद वह पाकिस्तान द्वारा पीठ में इस तरह छुरा घोंपने से परेशान दिख रहे थे। बैठक समाप्त होते-होते मेरी टीम जवाबी योजनाएं बनाने में जुट गई। मैं कारगिल के लिए रवाना हो गया।

पाकिस्तान ने फ्रंटियर कॉर्प्स नॉर्दर्न आर्मी (एफसीएनए) के जवानों का इस्तेमाल किया था, जो यहां के हालात से वाकिफ थे। भारतीय सेना को भ्रमित करने के लिए कि यह घुसपैठ मुजाहिदीन द्वारा की गई है, कुछ आतंकियों ने पाकिस्तानी सिग्नल का इस्तेमाल करके बलती, शिना, दार्दी और कुछ अन्य स्थानीय बोलियों में बातें की थीं। वे शुरुआत में अपने मकसद में सफल भी हुए। मगर जल्द ही हमारी खुफिया एजेंसियों ने मुशर्रफ, जो तब चीन में थे और रावलपिंडी में मौजूद उनके चीफ ऑफ जनरल स्टाफ की टेलीफोन पर हुई एक बातचीत पकड़ ली, जिसमें वे दोनों कारगिल में पाक ऑपरेशन के बारे में चर्चा कर रहे थे। जाहिर है, इससे पाकिस्तान बेनकाब हो गया और पूरी दुनिया को पता चल गया कि भारतीय सीमा में दाखिल ये घुसपैठिए पाकिस्तानी सैनिक हैं, जो 12,000 से 18,000 फीट की ऊंचाई पर तीन से नौ किलोमीटर तक अंदर आ चुके हैं। हालांकि, एक अन्य कैबिनेट बैठक में हमने यही फैसला लिया कि भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पार नहीं करेगी, जिसकी प्रशंसा पूरी दुनिया ने की।

यल्दोर में भारतीय सीमा में करीब 300-350 पाकिस्तानी सैनिक आ गए थे, द्रास में 200-230, काकसर में लगभग 100 और मुश्कोह घाटी में 150-210। इस प्रकार उनकी कुल संख्या 900-950 थी। प्रधानमंत्री को बताया गया कि पहले द्रास से घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा, फिर बटालिक, काकसर और अंत में मुश्कोह से। पाकिस्तानी सेना का मकसद सबसे पहले छः युद्ध के लिए घाटी से रिजर्व भारतीय फौज को बुलाना था, फिर जोजी ला-लेह सड़क को काटना, तीसरा, दुष्प्रचार और मनोवैज्ञानिक दांव खेलना और चौथा, कश्मीर विवाद पर दुनिया का ध्यान खींचना।

अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में कोई आक्रामक अभियान चलाना एक बड़ी चुनौती होती है। हालांकि, काउंटर इंसर्जेंसी ग्रिड में सैनिकों की तैनाती वरदान साबित हुई, क्योंकि हमारे पास युद्ध के लिए जवान तैयार थे। कई जगहों पर और कई तरीकों से हमले की तैयारी की गई, क्योंकि इसमें दुश्मनों का संसाधन व ध्यान भटकाया जा सकता था और उनको अपनी कार्रवाइयों से चौंकाया जा सकता था। अलग-अलग दिशाओं से किया गया हमला प्वॉइंट 5140, टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वॉइंट 4875, स्टैंगबा और खालूबार रेंज में खासा सफल साबित हुआ। जूनियर लीडरशिप ने काफी बहादुरी दिखाई। तमाम स्तरों पर उच्च कमांडरों के साहसिक फैसलों और तोपखाने की भूमिका को भी कमतर नहीं माना जा सकता। वायु सेना ने तो अद्वितीय भूमिका निभाई। 23,000 फीट और उससे भी अधिक ऊंचाई पर स्थित दुश्मनों के बंकरों को निशाना बनाना उनकी दक्षता को दर्शाता है। मुन्थो ढालो स्थित प्रशासनिक व रसद बेस खत्म करने से दुश्मन के लड़ने की क्षमता काफी कम हो गई।

हमारे लिए भी प्रशासनिक जिम्मेदारी और रसद की नियमित आपूर्ति एक बड़ी चुनौती थी, जिसको हमारे सैनिकों ने तमाम मुश्किलों को झेलते हुए बनाए रखा। हताहतों को तेजी से वहां से हटाया जाता। जबकि, किसी पेशेवर सेना के विपरीत, पाकिस्तानी फौज अपने 249 मृतकों व घायलों को छोड़कर भाग खड़ी हुई। उसने केवल पांच शवों को स्वीकार किया, जिनमें टाइगर हिल पर मारे गए 12 एनएलआई बटालियन के कैप्टन करनाल शेर का शव भी शामिल था। 9 जुलाई को नवाज शरीफको हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय से एक संदेश भेजा गया कि वह 11 जुलाई को वाघा बॉर्डर पर डीजीएमओ भेजें। हमारे डीजीएमओ के साथ मैं भी वहां गया और देखा कि मेजर जनरल तौरीक जिया (पाक डीजीएमओ) निःशब्द बैठे थे। इस बैठक में भारतीय डीजीएमओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वे नियंत्रण रेखा से 100 मीटर पीछे हट जाएं और पीछे हटते समय सभी क्षेत्रों को साफ करें, बारूदी सुरंगें न बिछाएं। यह अगले 72 घंटों में पूरा किया जाना था, लेकिन अपनी आदत से मजबूर पाकिस्तानी फौज ने बात नहीं मानी। अब हमारे पास उन्हें खदेड़ने के सिवाय कोई विकल्प नहीं था। अंततः 25 जुलाई की सुबह तक दुश्मन के सभी प्रतिरोधों को नाकाम करते हुए इलाके को साफ करा दिया गया। दोपहर तक प्रधानमंत्री को यह सूचना दी गई और फिर वाजपेयी साहब ने सद्भावना का परिचय देते हुए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी। यदि पाकिस्तान ने भारतीय डीजीएमओ के निर्देशों का पालन किया होता, तो 16 या 17 जुलाई को ही युद्ध समाप्त हो गया होता।

ऑपरेशन विजय क्या था? एक युद्ध, एक क्लासिकल सीमित युद्ध, एक सशस्त्र संघर्ष या फिर कुछ और? आश्चर्य की बात थी कि दोनों सेनाएं भयंकर रूप से आमने-सामने थीं, लेकिन दोनों देशों में राजनयिक संबंध कायम थे। वैसे, पाकिस्तान के लिए सन 1947-48 के जम्मू-कश्मीर युद्ध, साल 1965 और 1971 की जंग के बाद यह एक और करारी हार थी। मैं अपनी जीत के लिए भारतीय सशस्त्र सेनाओं के प्रति श्रद्धा से शीश झुकाता हूं!

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका

**उत्तराखंड स्थित केदारनाथ में गौरीकुंड के पास पहाड़ी से पत्थर नीचे गिरने के कारण तीन लोगों की मौत वाकई दुखद है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं।**

दरअसल, पहाड़ों में बारिशों के कारण अक्सर ही जमीन खिसकने (लैंड स्लाइड) के मामले होते रहते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि लैंड स्लाइड होने के कारण ही यह हादसा हुआ है। हादसा रविवार सुबह हुआ। पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिरने की घटना तीन स्थानों पर हुई। गौर करने वाली बात यह है कि गौरीकुंड-जहां हादसा हुआ है-वहां से केदारनदाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की बारिश में ही पहाड़ से पत्थर और मलबा गिरने लगता है।

यह पूरा स्ट्रेच भूस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इस मामले में कुछ ऐसा हुआ कि उस दिन भारी बारिश हो रही थी और श्रद्धालु यात्रा पर थे। उन्हें इस आशंका का भान ही न हो सका। यहां प्रशासन की जिम्मेदारी को परखना जरूरी बन जाता है। जब यह बात वहां के प्रशासन और आपदा प्रबंधन को मालूम था तो फिर यात्रियों को इसकी जानकारी देना उनका फर्ज था। वैसे भी केदारनाथ में इससे पहले कई हादसे हुए हैं।

बीते आठ वर्षों में वर्षाकाल के दौरान इस मार्ग पर हादसे में 19 व्यक्तियों को जान गंवानी पड़ी। इस नाते वहां के प्रशासन को इसकी तैयारियां चौकस रखनी चाहिए थी। यह घनघोर लापरवाही का मामला है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि अब प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, मगर यह सब कवायद यात्रा शुरू होने से पहले होनी चाहिए थी। ताजा निर्देश के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे दिन सूर्योदय तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

यात्रियों की भी जिम्मदारी है कि वो खुद से खतरा मोल न लें। अगर मौसम साफ है और यात्रा में कोई व्यवधान की अग्रिम सूचना नहीं है तभी आगे बढ़ा जा सकता है। प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका है। सभी लोगों को उसके रौद्र रूप की वजहों की तलाश करनी होगी और उसका सम्मान भी करना होगा। पहाड़ी राज्यों में लोगों की जरूरत से ज्यादा आवाजाही और अंधाधुंध निर्माण के कायरे पर बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। प्रकृति के साथ तारतम्य बनाने और उसके अनुरूप चलने से ही जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यह बात हर किसी को अपने जेहर में रखनी होगी।

**( राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी )**

# अग्निपथ योजना सेना में सुधार का प्रयास है

सुनिल दास

देश व राज्य के कुछ मामले राजनीति से परे होते हैं,कम से कम उस पर तो राजनीति नहीं करनी चाहिए। देश की सुरक्षा, सेना में सुधार, सेना को मजबूत करने का प्रयास कोई भी सरकार कर रही है विपक्ष को उसमें खुले मन से सहयोग करना चाहिए क्योंकि सेना किसी दल की नहीं होती है, वह देश की होती है।वह मजबूत होगी तो देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। देश मे पहली बार विपक्ष सेना के सुधार के मामले में राजनीति कर रहा है ताकि कोई सुधार का काम मोदी सरकार कर रही है तो उसे हर कीमत पर गलत कहना है और देश के लोगों तथा युवाओं को गुमराह करना है।

सरकार की तरफ से कई बार कहा जा चुका है तथा कारगिल विजय दिवस पर पीएम मोदी ने फिर एक बार कहा है कि अग्निपथ योजना का मकसद देश की सेनाओं को युवा व हरदम युध्द के लिए तैयार रखना है। उन्होंने इस योजना का विरोध करनेवाले को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि अग्निपथ योजना व एयरफोर्स मे फाइटर विमान का विरोध करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने रक्षा सौदे मे हजारों करोड़ के घोटाले कर सेना को कमजोर बनाए रखा है।अतीत में हमेशा सेना में सुधार के नजरअंदाज किया है।उनका कहना है कि अग्निपथ योजना रक्षा के क्षेत्र में बरसों बाद किया जा रहा अहम सुधार कार्य है। इससे सेना की औसत आयु कम होगी तथा हमेशा युध्द के लिए तैयार रहेगी और दुश्मन को ठीक समय पर मुंहतोड़ जवाब दे सकेगी।

सेना का मतलब होता है कि जब भी दुश्मन देशों से युध्द हो तो उसका मुकाबला ठीक से किया जा सके और उसे हराया भी जा सके। सेना तो जीतने वाली होनी चाहिए।सेना अतीत में जब भी भारत पर हमला हुआ है तो सेना युध्द के लिए तैयार नहीं थी,इसलिए भारत को नुकसान हुआ है। माना जाता है कि सेना हमेशा युध्द के लिए तैयार रहे तो वह युध्द जीतती है और उसे किसी तरह का नुकसान नहीं होता है। कहा जाता है कि कारगिल युध्द के बाद से ही सेना महसूस कर रही थी कि सेना की औसत आयु कम करने की जरूरत है यानी सेना में ज्यादा युवाओं की जरूरत है।

कारगिल युध्द के बाद जितनी सरकारे हुईं उनमें से शायद की किसी सरकार ने सेना में सुधार की जरूरत को समझा और सुधार किया। सेना की मजबूती के लिए विश्वस्तर पर जो सुधार सभी देशों में होते है, देश की सेना की मजबूती के लिए भी सुधार समय समय पर होते रहने चाहिए। जो सुधार कार्य कई सरकारों ने नहीं किया वह काम मोदी सरकार कर रही है तो उसकी सराहना होनी चाहिए तो विरोध हो रहा है। विरोध करने वाले भी गजब के हैं। वह अग्निपथ योजना को देश के युवाओं के सामने नौकरी देने वाली योजना के रूप में पेश कर रहे हैं। कांग्रेस सहित विपक्ष देश के युवाओं को यह बता रहे हैं कि इससे तुमको क्या नुकसान होगा। मोदी सरकार बता रही है कि इससे देश की सेना को क्या फायदा होगा।

अग्निपथ योजना में साल में दो बार सेना में भर्ती की जाती है।उनको चार साल प्रशिक्षण दिया जाता है।उसके बाद उनको रेटिंग दी जाती है।इसमें मेरिट में आने वाले 25 प्रतिशत जवानों को सेना में लिया जाता है। बाकी की सेवाएं खत्म कर दी जाती हैं।इसी आधार पर राहुल गांधी कहते हैं कि यह योजना यूज एंड थ्रो है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे कहते हैं कि इस योजना के तहत अग्निवीरों को कुछ नहीं मिलता है,न तो उनको जवानों की तरह पेंशन मिलती है,ने ग्रेच्यूटी, न पारिवारिक पेंशन,न उदारीकृत पारिवारिक पेंशन,न ही उनके बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता दिया जाता है।कांग्रेस का कहना है कि इस योजना को बंद कर दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस और विपक्ष मोदी सरकार की तरह देश व जनता के हित में कोई अच्छी योजना बना नहीं पाते हैं तो वह पीएम मोदी जो योजना जनता व देशहित में लाते हैं, उसका विरोध करने लगते हैं। उसमें मीनमेख निकालने लगते हैं। उसे देश व जनता के लिए नुकसानदेह बताते हैं। मोदी सरकार ने किसानों के लिए कानून बनाकर कृषि क्षेत्र में सुधार का प्रयास किया था तो कांग्रेस सहित विपक्ष ने उसका भी विरोध किया था। उसे वापस लेने की मांग को लेकर कुछ राज्यों के किसानों को भड़का कर आंदोलन करने प्रेरित किया था। किसानों के आंदोलन के कारण बाद में सरकार को कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। अब कांग्रेस चौतरफा दवाब बनाकर अग्निपथ योजना को बंद कराना चाहती है। सरकार इस योजना को वापस लेती है तो यह कांग्रेस की एक और जीत होगी। साथ ही कांग्रेस यह साबित करने में भी सफल हो जाएगी कि मोदी सरकार कमजोर सरकार है।

इस बार सरकार कदम पीछ खींचने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए जिन अग्निवीरों को सेना में नहीं लिया जाएगा। सेना से लौटने के बाद उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की जा रही है। पांच राज्य सरकारों यूपी, उत्तराखंड, छत्तीसगढ,गुजरात व ओडिशा की सरकारों ने घोषणा की है उसके यहां पुलिस,अर्धसैनिक बल,वन विभाग,जेल प्रहरी आदि की नौकरी में उनको आरक्षण दिया जाएगा। यानी भाजपा सरकारों ने अग्निवीरों की यह चिंता दूर कर दी है कि चार साल वह घर वापस आएंगे तो वह क्या करेंगे। ऐसा करके भाजपा सरकारों ने राहल गांधी व कांग्रेस के हाथ से एक और मुददा छीन लिया है। यानी भाजपा सरकार अग्निवीरों को प्रशिक्षण देकर सेना में नौकरी का मौका देगी और वहां मौका न मिलने पर दूसरे विभागों मे मौका दिया जाएगा। इस तरह भाजपा ने कांग्रेस के एक और मुद्दे को राजनीतिक रूप से निष्प्रभावी कर दिया है। इससे अब कांग्रेस के झूठ के कारण जो राजनीतिक नुकसान होता अब नहीं होगा।

**( ये लेखक के विचार हैं )**

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492



# श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग



ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरूद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर




## भिलाई में शिव महापुराण का तीसरा दिन : पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा-

# सात दशकों बाद सावन में आया विशेष संयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई में पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से शिव महापुराण के तीसरे दिन भी हजारों की संख्या में शिवभक्त बरसात और कीचड़ के मध्य कथा श्रवण करने पहुंचे। शिवमहापुराण के तीसरे दिन अंतराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि, इस बार जो सावन में संयोग बन रहा है वो 72 साल बाद आया है। सावन की शुरुआत 22, जुलाई 2024 सोमवार को हुई और सावन समाप्त भी 19, अगस्त 2024 सोमवार के दिन होगा। उन्होंने बताया कि, इससे पहले 72 साल पहले 1953 में ऐसा संयोग बना था जब 27, जुलाई 1953 को आज ही के दिन सावन की शुरुआत हुई थी।

उन्होंने आगे कहा कि, आप भिलाई और छत्तीसगढ़ वाले भाग्यशाली हो क्योकि 72 साल बाद ऐसा सावन आया और सावन की पहली कथा भिलाई में हो रही है। बोल बेम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह और पूरी टीम को बहुत साधुवाद। आज की कथा में लगातार दूसरे दिन ष्टरू विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय शामिल हुई। भिलाई नगर विधायक गजेन्द्र यादव भी शिवमहापुराण के तीसरे दिन कथा में उपस्थित हुए। शिवरीनारायण के मठाधीश महंत रामसुंदर दास भी पंडाल में कथा सुनने मौजूद हुए।

### 72 साल बाद ऐसा संयोग, रुद्राक्ष को कैसे करें सिद्ध? सिद्धि

पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया की कुल 9 प्रकार के रुद्राक्ष होते है, उन 9 रुद्राक्ष को शंकर भगवान की शिवलिंग के पास रख कर 7 लोटा जल, 5 बार दूध और 2 बार घी लेपन कर देते है और बेल पत्र के पेड़ के निचे उसे धारण कर लेते हो तो आपकी सब मनोकमना पूरी हो जाएगी। 72 साल बाद ये सावन आया है, लोग तरसते है इस सावन के लिए, ताकि रुद्राक्ष को सिद्ध कर सके। अब तो रुद्राक्ष में रीसर्च भी चल रहा है, कि तांबे के लोटा में रुद्राक्ष रख उस पानी को शिवलिंग में चढ़ाया जाए तो सब मनोकमा पूरी कैसे रही है।

### दुनिया का सबसे बड़ा आभूषण है मौन रहना

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि, दुनिया का सबसे बड़ा तत्व या आभूषण मौन रहना, चुप रहना है। जिस दिन तुम्हारा व्रत है उस दिन मौन रहो, साधना करो, चुप रहने का जो सुख है वो और किसी में नहीं। ऐसा नहीं कि आंख बंद कर के ही तप कर सकते है। उन्होंने बताया कि, एक दिन शिव जी ने बोला मुझे त्रिपुरासुर का वध करने के लिए थोड़ा बल एकत्रित करना पड़ेगा, ब्रह्मा जी और विष्णु जी पूछ रहे की ये बल कहां से आएगा? शिव जी ने कहा वो बल मेरे भीतर से ही मुझे प्रकट करना पड़ेगा, मैं अस्त्र प्रकट करूंगा जिसका नाम अघोर अस्त्र है। ब्रह्मा जी ने कहा ये अस्त्र तो बहुत कठिन है आप इसे कैसे प्राप्त करेंगे? भगवान शंकर कहने लगे आप चिंता मत करो इसे प्राप्त करने के लिए में तप में बैठूंगा।

### तपस्या के लिए आखें बंद करना जरूरी नहीं, इन्द्रियों पर काबू जरुरी

शिव जी ने अपने नेत्र खोलकर खुली आंखों से तप करना शुरू किया। इसी तरह जरूरी नहीं है की नेत्र बंध कर के बैठोगे तो भगवान मिलेंगे, शिव महापुराण की कथा कहती है, आपकी आंखें भली खुली रहें, परंतु उन नेत्रों से कुछ गलत न हो जाएं ये ध्यान रखना, नेत्र बंद इसलिए करते है क्योकि फालतू चीजों पर ध्यान न जाएं पर अपने मन में सय्यम रखो, तो नेत्र से कभी गलत दिखेगा नहीं। अपने इन्द्रियों को नहीं साधोगे तो गलत नजर आएगा, अगर आप अपनी इन्द्रियों को साध लिए तो कुछ गलत नहीं दिखेगा। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि, रुद्राक्ष ऐसे ही उत्पन्न नहीं हो गया जब महादेव ने 1 हजार साल तपस्या की तब रुद्राक्ष उत्पन्न हुआ।

### महादेव के एक बूंद आंसू से उतपन्न हुआ रुद्राक्ष का वृक्ष

उन्होंने आगे कहा कि, भगवान शिव की कथा कहती है कि, नेत्र खुले भले रखो अपने इन्द्रियों को पकड़ कर रखो और गलत चीज न देखो, अगर कोई आधा गिलास पानी लाया तो आधा गिलास पानी मत देखो, उसका दिल देखो की तुम्हारे लिए वो आधा गिलास तो पानी भर कर लाया है। शिव महापुराण की कथा कहती है कि, शंकर भगवान ने 1 हजार वर्ष तक अपना नेत्र बंद नहीं किया, बिना पलक झपकाएं तप करते रहे, जब उन्होंने अघोर अस्त्र प्राप्त कर लिया तब शिव जी ने अपने आंखें बंद की और पलक झपकाई। उनके आंखों से एक बूंद आसूं निचे गिर गया, जैसे ही आंसू गिरा एक वृक्ष उत्पन्न हो गया जिसका नाम रुद्राक्ष का वृक्ष हुआ।

### एक शिवभक्त कई पीढ़ियों को पार लगा देता है

कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने गुरु, शिष्य का जिक्र करते हुए बताया कि, गुरु शिष्य को मंजिल तक पहुंचा देता है, अगर अपने घर, नगर या क्षेत्र में कोई शंकर का भक्त, शिव का गुणगान करने वाला पैदा हो जाता है, तो गुरु केवल शिष्य को पार लगा देता है परंतु अगर हमारे घर में कोई शिवभक्त जन्म ले लेता है तो वो हमारे कुल और कई पीढ़ियों को पार लगा देता है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि, डॉक्टर शिव का रूप हैज मैं बार-बार व्यासपीठ से कहता हूं की डॉक्टर शिव का रूप है, आपको अगर कोई तकलीफहोती है तो सबसे पहले शिवरूपी डॉक्टर के पास जाइये, डॉक्टर जो दवाई दें, उस दवाई को कुंदकेश्वर महादेव के नाम से खाना प्रारंभ करिये। महादेव आपको ठीक करना शुरू कर देगा। कभी भी कोई तकलीफआए तो डॉक्टर के पास जाइये, ट्रीटमेंट करवाइये पर साथ में महादेव पर विश्वास बनाए रखिये, सब ठीक हो जाएगा।

## शिव कथा कहती है सबसे पहले वाचक भी शंकर है, श्रोता भी शंकर है

पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि, शिव कथा कहती है जब आपको लगता है मुझसे ये कार्य नहीं हो रहा है, मैंने बहुत प्रयास कर लिया तो शिव महापुराण कथा का श्रवण करें ताकि आपकी मनोकमना पूरी हो। भगवान ब्रह्मा शिव जी के पास पहुंचे और कहने लगे की मैं सृष्टि कैसे बढ़ाऊ? तब ब्रह्मा जी ने सावन महीने के शिवरात्रि का इंतजार किया। ब्रह्मा जी ने शिव का स्मरण किया। भगवान शिव की कृपा हुई। माता प्रसूति के गर्भ से सती का जन्म हुआ, भगवान शिव सती माता को कुंभज ऋषि के आशाराम में कथा सुनाने ले गए। कथा शुरू हुई, महादेव का मन कथा में लग गया, माता सती का मन

नहीं लगा, शिव कथा कहती है सबसे पहले वाचक भी शंकर है श्रोता भी शंकर है, माता सती ने शिव जी की परीक्षा ले ली और अपना त्याग कर दिया, दक्ष प्रजापति के यज्ञ में माता सती भस्म हो गई। माता सती ने प्राण त्याग दिया। महादेव को बड़ा दुखा हुआ, उनको दु:ख ये हुआ की मेरे नजदीक रहने वाली सती ने यज्ञ का अपमान कर दिया। महादेव क्रोधित हो गए। भस्म हुई माता सती हिमालय में माता पार्वती के रूप में प्रकट होती है, माता पार्वती ने खूब साधना की, इसका परिणाम यह निकला की महादेव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ।

### डेंगू से बचाव के लिए विधायक रिकेश का अनोखा प्रयास

# कूलर साफ करवाया और एक किलो टमाटर किया गिफ्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन अपने अनोखे अंदाज के लिए जान जाते हैं। लोगों को जागरुक करने के लिए वे अक्सर कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इसी कड़ी में शनिवार को विधायक रिकेश खम्हरिया क्षेत्र में अचानक पहुंचे और लोगों को डेंगू, चिकनगुनिया के साथ मौसमी बिमारियों से बचाव के प्रति जागरुक किया। इसके लिए उन्होंने एक अनोखा प्रयास किया। विधायक रिकेश जिस घर में पहुंचे वहां कूलर का ढक्कन खुलवा भीतर भरा पानी चेक किया।

पानी का ठहराव देख उसे साफ करवाया और एक-एक किलो टमाटर गिफ्ट किया। इस मौके पर उन्होंने ऐलान किया कि जो लोग अपने कूलर में भरे पुराने और मटमैले पानी को साफकर फोटो भेजेंगे, वैशाली नगर के ऐसे तमाम परिवारों को एक-एक किलो

फ्री टमाटर दिया जाएगा। विधायक रिकेश ने कहा कि शहर में अधिकांश घरों में कूलर का इस्तेमाल होता है। गर्मी के दिनों में इससे पानी की बौछारों के साथ तेज हवा निकलती है लेकिन कूलर के वाटर टैंक में मच्छरों के ब्रीडिंग का खतरा रहता है। यह ब्रीडिंग ठहरे हुए पानी में ही होती है। कूलर से ठंडी हवा आने और पानी की बौछारों के लिए पानी कूलर के नीचे बने एक कंटेनर में जमा रहता है। पानी की मात्रा काफी होती है, जितना बड़ा कूलर होगा, उतना ही बड़ा पानी का कंटेनर होता है लेकिन यही पानी का कंटेनर कई बीमारियों का घर भी बन जाता है।

विधायक रिकेश ने कहा कि जैसे ही गर्मी आती है और डेंगू और चिकनगुनिया के मामले भी बढ़ जाते हैं, इसका प्रमुख कारण है कि इस मौसम में कूलर का इस्तेमाल ज्यादा होने लगता है और लोग कंटेनर के पानी को जल्दी-जल्दी नहीं बदलते हैं। इस कारण डेंगू या चिकनगुनिया के लार्वा इसमें पनपने लगते हैं और बीमारियां फैलाते हैं। इन बीमारियों से लोग बीमार पड़ते हैं और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। अस्पताल में भर्ती होने के साथ ही मानव श्रम और अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान होता है, इससे अंतत: समाज का भी नुकसान होता है।

### ये दोनों बीमारियां वायरल डिजीज

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि ये दोनों बीमारियां वायरल डिजीज हैं जिसके अन्य भी कारण हो सकते हैं लेकिन शहरों में कूलर इसके लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार है। कूलर में जमा हो रहे पानी में मच्छर पनपते हैं और कूलर के कंटेनर में जमा हो चुके पानी में अपना लार्वा छोड़ते हैं, इससे मच्छरों की संख्या बढ़ती है और यही मच्छर लोगों को काटते हैं। लगातार प्रदेश में डेंगू ने अपना प्रकोप जमाया हुआ है, उसका मूल कारण है कूलर में इकट्ठा पुराना पानी। गर्मी के बाद जो पानी बच जाता है उसे लोग बरसात के समय में साफ नहीं करते। उसी में लार्वा आ जाता है और कहीं ना कहीं डेंगू का जन्म होता है।

भिलाई में डेंगू से कई लोगों की सैकड़ों लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है। मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि जैसे भिलाई विधानसभा में डेंगू अक्सर अपने पैर जमाए हुए है वैसे ही वैशाली नगर विधानसभा में हो। इसलिए मैं खुद निकला हूं, लोगों के घर में कूलर को साफ कर रहा हूँ, लोगों को कन्वेंस कर हूँ और उनको बता भी रहा हूं कि आप कूलर नियमित रूप से साफ रखें और एक किलो टमाटर फ्री में लीजिए।

# मिशन लाइफ के लिए इको क्लब पर्यावरण की रक्षा के लिए पकृति दर्शन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** बी-आर जे. शासकीय आदर्श कन्या शाला दुर्ग में दिनांक 07 जुलाई को शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत 'मिशन फॉर लाइफ इको क्लब दिवस का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया. इस आयोजन में समुदाय की सहभागिता निर्धारित करने के उद्देश्य से बालिकाओं के माता पिता को भी आमंत्रित किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम' जो माननीय प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है, में माताओं के द्वारा विद्यालय परिसर में हरसिंगार के पौधों की आरोपण किया गया. पालकों के द्वारा अति उत्साह से शिक्षकों व छात्राओं के

साथ वृक्षारोपण किया गया. साथ ही समाज के बुजुर्गो के द्वारा छात्राओं को विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की गई.यूथ एवं इको क्लब के सदस्यों के द्वारा रा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली गई तथा प्रकृति को हरा भरा रखने की जिम्मेदारी लेने एवं प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के लिए स्वयं के साथ साथ समाज को भी जागरुक करने का बीड़ा उठाने की शपथ ली गई.छात्राओं को स्वच्छ रहने, समय पर शाला आने, बाल, नाखून आदि को स्वच्छ रखने, वस्त्रों को साफ सुथरा रखने विद्यालय परिसर एवं कक्षा को साफसुथरा रखने की समझाइश भी बैठक में प्राचार्य डॉ कृष्णा अग्रवाल द्वारा दी गई।

# गैर संकार्य विभागों के कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/ प्रक्रियात्मक अनुशासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते है, उनको प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह "कर्म शिरोमणि पुरस्कार" से सम्मानित किया जाता है।

इसी क्रम में माह मार्च 2024, अप्रैल 2024 एवं मई 2024 के लिए वित्त एवं लेखा विभाग से अनुभाग अधिकारी नीना प्रदीप एवं अनुभाग अधिकारी शरद कुमार दानी, प्रोजेक्ट विभाग से मास्टर ऑपरेटर कम-तकनीशियन वी रमेश, नगर सेवायें विभाग से ओसीटी दयवीर मिश्रा, जूनियर हेल्थ इंस्पेक्टर विश्वनाथ देवांगन, चार्जमैन-कम-वरिष्ठ तकनीशियन अमित कुमार सोनी, कनिष्ठ स्टाफ सहायक हीरामणी एवं ओसीटी प्रकाश सहित मानव संसाधन विभाग से कनिष्ठ स्टाफ सहायक गोपाल सिंह को सम्मानित किया गया।

इस समारोह में मुख्य महाप्रबंधक उन्मेष भारद्वाज एवं मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर के द्वारा कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह समारोह सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग के सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक आर रंजनी, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) मानस भट्टाचार्य, उप महाप्रबंधक (परियोजनाएं) आशीष गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कमरूद्दीन, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं-पीएचई) पी.एल.साहू, सहायक महाप्रबंधक (परियोजनाएं-पीएमसी) जया तिवारी, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य) नरेन्द्र इंगले, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-नगर सेवाएं) जी. एम. वी. पद्मिनी कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) एम.वी.वी. प्रसाद, उप प्रबंधक (मानव संसाधन- पी.एण्ड ई.) गिरीश मढारिया, कनिष्ठ अधिकारी (नगर सेवाएं) मुकुन्द दास मानिकपुरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान स्वरूप प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक की पत्नी के लिए प्रशंसा पत्र व मिठाई पैकेट प्रदान किये जाते हैंद्य साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर उनके विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्शित की जाती है।


Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### सफलता के लिए सामाजिक वातावरण तैयार करना जरूरी: डॉ. सत्यजीत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित एमएमडी हायर सेकेंडरी स्कूल में ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जीवन - प्रेरणा संवाद का आयोजन किया गया। यह आयोजन समाजसेवी संस्था डॉक्टर्स ऑन स्ट्रीट (दोस्त) और प्रोग्रेसिव यूटिलाइजेशन ऑफ रिसर्च एंड इकोनॉमिक्स (प्योर) की टीम ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. सत्यजीत साहू ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के डिजिटल माहौल में बच्चों और युवाओं के पास सूचनाओं और जानकारियों का भंडार है। ऐसे में उनकी सफ्लता के लिये जिन गुणों की आवश्यकता है, उनके विकास के लिये सामाजिक वातावरण तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रेरणादायक बातचीत के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षिक, मानसिक, चारित्रिक और सामाजिक गुणों को जानने-समझने का मौका मिलता है। यह जीवन-प्रेरणा संवाद कार्यक्रम वर्तमान समय के अनुकूल तैयार किया गया है। डॉ. साहू ने कहा कि इंटरनेट में उपलब्ध युवा विकास की सामग्रियों से अलग हटकर दोस्त और प्योर की टीम ने स्टेट ऑफ आर्ट के रूप में इस संवाद को डिज़ाइन किया है। कार्यक्रम में पीएससी चयनित स्वाति देवांगन ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए छात्र-छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। दोस्त संस्था के कोर्डिनेटर सुनील शर्मा ने टाईम मैनेजमेंट के स्किल के बारे में बताया। फार्मा उद्यमी सूरज दुबे ने युवाओं के लिए जीवन और समाजिक विषयों की समझ को बढ़ावा देने और नेतृत्व के गुणों पर प्रकाश डाला। इस संवाद कार्यक्रम का संयोजन प्योर टीम के एडवोकेट संतोष ठाकुर और वाईस प्रिंसिपल धनंजय महापात्र ने किया। टीम के सदस्य सत्येंद्र ठाकुर और विनय सिंह ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्र -छात्राओं और स्टाफ ने ऐसे संवाद कार्यक्रम भविष्य में भी करते रहने का संकल्प लिया। एमएमडी हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल इद्राणी दुबे और डायरेक्टर शरद दुबे ने आयोजन के लिए दोस्त और प्योर संस्थाओं के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

### संयुक्त कलेक्टर दीपक कुमार को मंत्रालय की मिली जिम्मेदारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की सरकार ने संयुक्त कलेक्टर का ट्रांसफर कर दिया है। इसे लेकर आज आदेश भी जारी कर दिया गया। जारी आदेश के मुताबिक दुर्ग जिले के संयुक्त कलेक्टर दीपक कुमार निकुंज को ट्रांसफर कर अब नवा रायपुर मंत्रालय सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थ किया गया है। बता दें कि दीपक कुमार निकुंज राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर है।

# पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ महाविद्यालय में किया पौधारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती में समाज कार्य विभाग व फिल्म अभिनेता सोनू सूद द्वारा गठित संस्था सोनू सूद चेरिटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में मिशन ग्रीन भारत अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों तथा महाविद्यालय के पदाधिकारियों ने पौधारोपण कर इसके संवर्धन और संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय के प्राध्यापकों तथा उपस्थित विद्यार्थियों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में पौधे लगाये। साथ ही सभी ने पेड़-पौधों की रक्षा का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में भीमसेन ट्रस्ट के पदाधिकारी डॉ कमल अग्रवाल तथा महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष अजय दानी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ पदुम जैन ने कहा कि इस समय दुनिया भर में जिस तरह से पर्यावरण पर संकट गहराया हुआ है, उससे निपटने के लिए पौधारोपण के साथ ही हमें हवा, पानी, मिट्टी सहित सभी प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा भी करनी होगी। इसके अलावा पॉलीथिन का उपयोग कम से कम करना होगा। साथ ही बिजली के दुरुपयोग से भी बचने की जरूरत है।

इस पहल की सराहना करते हुए महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ वीके अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण की स्थिति जिस तरह से प्रभावित हो रही है, उसमें हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम पेड़-पौधों के संरक्षण के प्रति विशेष ध्यान दें। महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के सचिव व महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में पौधारोपण को बढ़ावा देने के उदेश्य से हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में वृक्ष मित्र दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने घर और कार्यक्षेत्र के आसपास भी, जहाँ संभव हो सके, वहां पौधे जरूर लगाएं।

कार्यक्रम में सोनू सूद चैरिटी क्लब की स्टेट कोऑर्डिनेटर रूपल पाण्डेय ने कहा कि अग्रसेन महाविद्यालय से इस अभियान की शुरुआत होना एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि आगे भी संस्था के माध्यम से अन्य विषयों पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। प्राचार्य डॉ युलेंद्र कुमार राजपूत ने सभी अतिथियों को साधुवाद देते हुए कहा कि महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष रूप से प्रयास किये जाते हैं। इस मौके पर महाविद्यालय की एनएसएस प्रभारी प्रो।.दीपिका अवधिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेटों के साथ मिलकर पौधों के रोपण की व्यवस्था की। कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग की प्राध्यापक प्रो रुखमणि अग्रवाल ने किया।

# बारिश ने खोली निगम के दावों की पोल

## नालियों का उचित प्रबंधन नहीं होने से भाठागांव इलाके के सड़क में भरा बारिश का पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** तेज बारिश से राजधानी रायपुर के कई हिस्से जलमग्न हो चुके हैं। बारिश के बाद रायपुर के छोटे बड़े नाले भी उफान पर हैं। कई जगहों में नाले का पानी रोड पर बह रहा है जिससे आने जाने वाले लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पद रहा है। रायपुर के भाठागांव इलाके में बारिश के बाद नगर निगम के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। नालियों का उचित प्रबंधन नहीं होने की वजह से रोड पर ही जलजमाव हो चूका है। नाले का पानी सड़क पर आ गया है जिसे पार कर लोग आवागमन कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में इन दिनों लगातार ही प्रदेश में हो रही बारिश के चलते जलजीवन काफी प्रभावित हो रहे है। इसके साथ ही बारिश के के प्रभाव से नदी नाले भी उफान पर हैं। ऐसे में मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आज भी फिर दिनभर राजधानी सहित कई जिलों में बारिश होगी। जानकारी के मुताबिक आगामी दो दिनों तक प्रदेश में गरज चमक और भारी बारिश होने आसार हैं। इस बीच मानसून सक्रीय होने की वजह से इन दिनों ठंड बढ़ गई है।

सूत्रों के मुताबिक मौसम विभाग ने विभिन्न हिस्सों में 28 से 31 जुलाई तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस बीच बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, बलोदाबाजार, सुकमा और नारायणपुर जिले में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी है। इसके साथ ही कोरिया, जशपुर, बिलासपुर, गौरेला पेंड्रा मरवाही, कोरबा, मुंगेली, गरियाबंद, रायपुर, महासमुंद, धमतरी,बालोद, दुर्ग और बस्तर,राजनांदगांव, कोंडागांव और मोहला-मानपुर-अबांगढ़ सहित यहां के विभिन्न हिस्सों में आज बारिश का यलो अलर्ट जारी किए गए हैं।

## जिम्मेदारों की लापरवाही का नतीजा भुगत रहे बलौदाबाजार के ग्रामीण

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के सिमगा विकासखंड के ग्राम दरचुरा स्थित जलाशय का एक हिस्सा फूट गया। इससे पानी गांव में घुस गया। क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने जलाशय की मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया। यदि ऐसा है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों को अपनी जान बचाने घरेलू सामान को घरों में छोड़कर भागना पड़ा। अब सवाल सामने आ रहा है कि जलाशय अचानक फूट कैसे गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। यह जांच का विषय है। क्या अब जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी। जलाशय के रखरखाव के लिए करोड़ों की राशि आती है।

ग्रामीणों का कहना है कि घर में रखे घरेलू सामान के साथ राशन आदि सब खराब हो गया। वहीं बच्चों की स्कूल की कापी किताब सब पानी में खराब हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चालीस वर्षों में यह पहला मौका है कि इस तरह के हालात उत्पन्न हुए है। इधर कलेक्टर दीपक सोनी ने गांव की हालात का लगातार जायजा लेते रहे और पूरी मदद, जो शासन की ओर से तात्कालिक की जानी चाहिए पूरा किया। वहीं उन्होंने प्रशासनिक अमले को सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

# अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने किया अनुभूति केन्द्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** अपर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मप्र व छग) कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार) दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास रहे। इस दौरान उन्होंने प्रथम दिन, शुक्रवार को कोअपर के.भ.नि.आयुक्त, वी. रंगनाथ ने क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर के कार्य निष्पादन, कार्य प्रणाली, उपलब्धियों व चुनौतियों की समीक्षा की।

इस अवसर पर कार्यालय के प्रभारी अभिषेक कुमार, क्षेत्रीय भविष्यो निधि आयुक्त -1 ने जानकारी दी कि वर्तमान में कार्यालय द्वारा उच्च वेतन दर पर पेंशन प्रदान किए जाने संबंधी प्रकरणों तथा मृत्यु दावों के निपटान को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। शनिवार को अपर केद्रिन्य भविष्य निधि आयुक्त द्वारा कार्यालय में भविष्य निधि सदस्यों व पेशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिआधुनिक व तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित नवीन अनूभूति केन्द्र का उद्घाटन किया। जहाँ अशंधारकों को विभिन्नन आनलाइन सुविधा प्रदान की जाएगी। जिसमें भविष्य निधि दावों, अग्रिम दावों, अंतरण दावों, संयुक्त घोषणापत्र, जीवन प्रमाणपत्र को आनलाइन भरा जाना इत्यादि। साथ ही कार्यालय में आने वाले समस्त आंगतुकों हेतु सहजता से जानकारी प्रदान किए जाने हेतु नवीन किओस्क स्थापित किया गया है जिसके द्वारा विभिन्न जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

# अध्यात्म के माध्यम से बंदियों के मनोदशा में सुधार के प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर स्थित केंद्रीय जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक उत्थान हेतु लगभग 60 बंदियों की रामायण मंडली बनाई गई है। मंडली द्वारा विभिन्न बैरकों में प्रत्येक त्यौहारों के अवसर पर रामायण का पाठ तथा प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा तथा प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड का पाठ कराया जा रहा है।

रामायण मंडली के मुख्य गायक आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी बोधन पिता रघुनाथ ने बताया कि वह जब भी पेरोल पर घर जाता है। वह गांव में रामायण मंडली में शामिल होता है तो उसके गांव वाले भी आश्चर्यचकित हो जाते है और कहते है कि, जेल एक जेल न रहकर सुधारगृह में परिवर्तित हो गया है। गांव वाले भी उससे बोलते हैं कि इतना अच्छा रामायण आप जेल में रहकर सीख लिये हो यह तो अद्भुत है। उसने अपने गांव दियागढ़ थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ में भी रामायण मंडली का गठन किया है।

इसी प्रकार प्रतिदिन गीता सीखने वाले व रामायण के टीका करने वाले आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी चक्रधर पिता बंशीधर ने बताया कि वह प्रतिदिन आध्यात्म ही उसके जीवन का आधार है, वह परमात्मा को अपना सब कुछ सौंप चुका है। प्रतिदिन सीखे गीता के श्लोकों का पाठ, उसके अर्थ की चर्चा अपने बैरक के अन्य साथी बंदियों के साथ करता है। वह अन्य बंदियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। गांव जाने पर उसके गांव वाले उससे गीता, रामायण, पुराणों के बारे में चर्चा करते है तो उसका शुद्ध उच्चारण सुनकर कहते है कि आप जेल जैसी जगह में भी रहकर इतना ज्ञान प्राप्त कर लिये हो। उनका कहना है कि वो प्रतिदिन अपने साथी बंदी दोणाचार्य, धरम, वासुदेव के साथ पाठ कर आनंदित रहता हूं तथा अपनी सजा अच्छे से काट रहा हूं।

केन्द्रीय जेल रायपुर प्रशासन द्वारा मंडली को हारमोनियम, केसियो, तबला ढोलक, मंजीरा तथा माईक सिस्टम प्रदाय किये गये है। इस प्रकार के प्रयास से बंदी जेल में अध्यात्म से जुड़कर अपने समस्त जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए जीवन के प्रति सकारात्मक तथा अवसादमुक्त हो रहे हैं। जिससे उनके व्यवहार में भी उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। इसके साथ ही प्रतिदिन गीता परिवार के माध्यम से बंदियों को प्रतिदिन 01 घंटे गीता का ज्ञान तथा शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वर्तमान में 21 कैदियों द्वारा गीता सीखकर कंठस्थीकरण करते हुए गीता परिवार द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली गई है।

## मोबाइल मेडिकल यूनिट व हेल्थ चेकअप कैंप की सुविधाएं हर नागरिकों को

# वार्डों के नागरिकों की उमड़ी भीड़, समस्याओं हो रहा समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** नगरीय निकायों में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर का वार्डों में लगने शुरू हो गए है। शिविर में नागरिक पहुंचकर अपनी समस्याओं को दर्ज करा रहे है और उसका समाधान भी त्वरित दिलाया जा रहा है। नागरिकों में शिविर को लेकर उत्साह है। टिकरापारा के शिविर में इंजीनियरिंग छात्र गौरव यादव और 12 वीं की छात्रा निकिता यादव ने आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए पटवारी को आवेदन किया। तत्काल पटवारी ने आय प्रमाण पत्र बनाकर उन्हें सौंप दिया। त्वरित कार्य होने से छात्रों और परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इसी तरह टिकरापारा के किशोर सिन्हा ने राशन कार्ड बनने के बाद चावल नहीं मिलने की समस्या दर्ज कराई। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर ही उनकी समस्या का हल निकाला और उनके दस्तावेजों को अपडेट किया गया। श्री किशोर के राशन कार्ड की त्रुटि को सही कर दिया गया। उन्हें जल्द ही राशन दुकान से नि:शुल्क चावल मिलेगा। निराकरण होने से वे और उनका परिवार काफी खुश है।

सिविल लाइंस के अंबेडकर भवन में भी शिविर लगाए गए है। इस शिविर में लोग अपनी छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर पहुंचे। अपनी समस्याओं को दर्ज कराया है। समस्या निवारण शिविर में हेल्थ कैंप का लाभ दिया गया। इसमें रेविका मसीह, सिया राम घृतलहरे समेत अनेकों को हेल्थ चेकअप का लाभ मिला। इसी तरह आधार कार्ड, पेंशन संबंधी समस्याओं को दर्ज कराई गई।

जोन क्रमांक 2 में जनसमस्या निवारण शिविर में नागरिकों का उत्साह दिखाई दिया। शिविर में पहुंचकर लोगों ने अपनी समस्याओं को दर्ज कराई। मौदहापारा निवासी श्रीमती शहनाज बेगम ने राशन कार्ड का नवीनीकरण कराया है। नवीनीकरण के बाद अब उन्हें नि:शुल्क चावल भी मिलेगा। इसी तरह अन्य समस्याओं को लेकर भी वहां लोग पहुंचे।

नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे-छोटे कार्य होते हैं, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है। इनके साथ ही जलापूर्ति में लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों व गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाइट्स का बंद रहना जैसी समस्याएं भी होती हैं। वार्डवार जनसमस्या निवारण शिविरों का उद्देश्य इन समस्याओं के निराकरण के साथ ही नागरिकों को जरूरी जन सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है।

# वालफोर्ट बुड्स में रैनवाटर हार्वेस्टिंग पिट तैयार करवाएं-कलेक्टर

**रायपुर।** राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की लोक हितकारी मंशा के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा सकारात्मक पहल कर राजधानी शहर में लगातार गिरते भू जल स्तर की समस्या का सबकी सहभागिता से शीघ्र समाधान करने जियो हाईड्रोलाजिस्ट के माध्यम से रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट अधिक से अधिक बनवाने एनजीओ, बिल्डर्स, क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सहयोग से निरन्तर प्रयास जारी है। इस क्रम में रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह एवं नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के दिशा-निर्देश में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सहयोग से वालफोर्ट ग्रुप ने विगत दिवस वालफोर्ट वुड्स में 27 रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट बनवाये और वालफोर्ट सिटी और वालफोर्ट हाइट्स में 50 रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट जियो हाईड्रोलॉजिस्ट डॉक्टर के पाणीग्रही के निर्देशन में बनवाये। ग्रीन आर्मी ऑफरायपुर भी इस अभियान में जुड़ गया। मोहन वल्यानी की उपस्थिति रही। अनुपम गार्डन, एनआईटी के सामने, वसुंधरा गार्डन चंगोराभाठा, अरिहंत नगर, बिल्डर विजय नत्थानी के मेट्रो ग्रीन सड्डू परिसर में भी इनोवेटिव टेक्नोलोजी की नवीन पद्धति से रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट छोटे -छोटे सेक्टर में बनवाये गए। बिल्डर्स सहित एनजीओ भी स्वस्फूर्त आगे आकर रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट बनाने सहभागिता दर्ज करवा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य की मॉनिटरिंग निरन्तर करने का दायित्व कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा को दिया है।

### विस अध्यक्ष ने की सदन की समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापित

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कल सदन की समाप्ति पर सभी सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से सदन का पावस सत्र की कार्यवाही सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। डॉ. सिंह ने विशेष रूप से उन सदस्यों की सराहना की, जिन्होंने अपनी महत्वपूर्ण बातें रखी और विधायकों के बीच स्वस्थ चर्चा और विचार-विमर्श को प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि सदन के सभी कर्मचारियों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन किया और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधानसभा अध्यक्ष ने इस सत्र के दौरान पारित किए गए महत्वपूर्ण विधेयकों और प्रस्तावों का भी उल्लेख किया और कहा कि ये विधेयक राज्य के विकास और जनहित में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

# साई केतन की रूमर्ड गर्लफ्रेंड शिवांगी को मिल रही एल्विश-लवकेश के फैंस से धमकियां?

**बिग बॉस ओटीटी 3 कंटेस्टेंट साई केतन राव की शो में कई बार लवकेश कटारिया, विशाल पांडे और सना मकबूल से लड़ाई होती रहती है। वहीं लवकेश के साथ तो उनकी हाथापाई तक बात पहुंच चुकी है। लवकेश के दोस्त एल्विश यादव कई बार साई को लेकर कमेंट कर चुके हैं। वहीं अब साई की कथित गर्लफ्रेंड शिवांगी खेड़कर ने बताया कि उन्हें बहुत धमकियां मिल रही हैं क्योंकि वह साई को सपोर्ट कर रही हैं। दरअसल, शिवांगी सोशल मीडिया और शो में जाकर साई को खुलकर सपोर्ट कर रही हैं।**

## आ रही हैं धमकियां

टाइम्स नाउ से रिपोर्ट के मुताबिक शिवानी ने कहा, मैंने लोगों को वीडियोज बनाते देखा, धमकियां आ रही हैं। मुझे पता है कुछ तो होगा जब वह अंदर जाएंगे। मैं उन लोगों की तरह वीडियोज नहीं बनाने वाली। शिवांगी ने आगे लिखा, 'मुझे व्हाट्सएप पर मैसेज आ रहे हैं, कमेंट सेक्शन इंस्टाग्राम पर भरा हुआ है। इस इंटरव्यू के पीछे यही आइडिया है कि अगर लोग ऐसे वीडियोज बना रहे हैं उनके सपोर्ट में तो मैं अपने दोस्त के सपोर्ट में इंटरव्यू दूंगी।'

## एल्विश की धमकी पर बोलीं शिवांगी

बता दें कि एल्विश ने साई को धमकी दी थी अपने व्लॉग के जरिए जब उन्होंने लवकेश को सपोर्ट किया था। उनके धमकी को लेकर शिवांगी ने कहा, 'एल्विश ने वीडियो बनाया और कहा देखो भाई हम अंदर नहीं आ सकते, लेकिन याद रखो कि बाहर भी जिंदगी है। मुझे बुरा लगा था उस बात को सुनकर, लेकिन जैसा कि मैंने कहा मैं बाहर हूं और सिचुएशन मेरे कंट्रोल में है। मैं लोगों को इसमें नहीं घसीटने वाली। मैं ट्विटर पर कुछ नहीं लिखने वाली। अपने फॉलोअर्स को नहीं बोलूंगी कि कैसे जियो।'

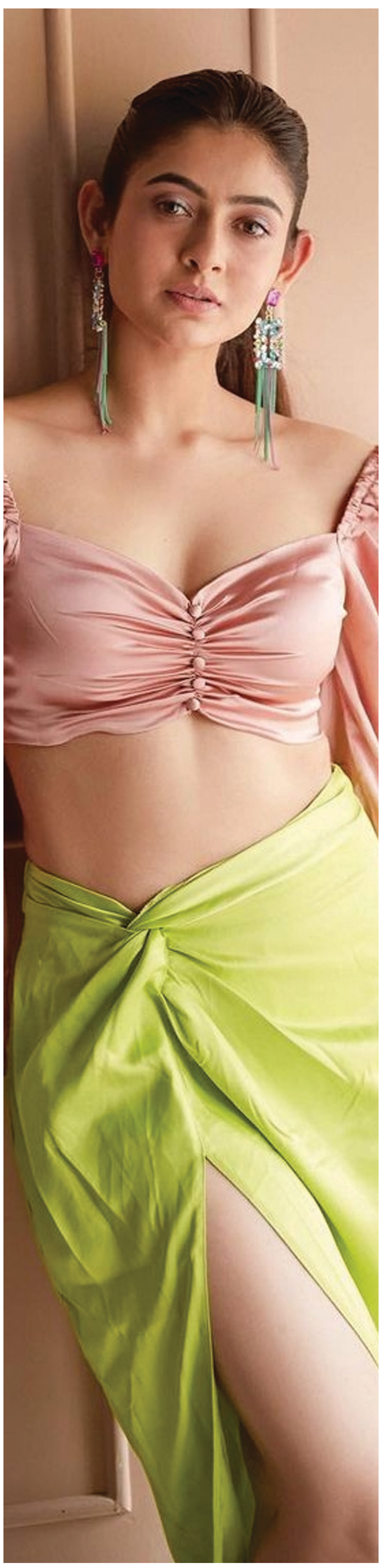

# खतरों के खिलाड़ी की कड़ी तैयारी के तहत निमृत कौर अहलूवालिया ने एमएमए, किक बॉक्सिंग की शुरुआत

अभिनेत्री निमरित कौर अहलूवालिया ने हाल ही में लोकप्रिय रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के लिए अपनी कड़ी और परिवर्तनकारी तैयारी के बारे में खुलासा किया। उनकी यात्रा को एक कठोर और विविध कसरत व्यवस्था द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसे शारीरिक और मानसिक दोनों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।निमरित ने साझा किया, मैंने एमएमए और किक बॉक्सिंग को अपने वर्कआउट शासन में शामिल किया।

एमएमए के साथ मैंने अपनी मानसिकता में एक संपूर्ण बदलाव का अनुभव किया है। आप सीखते हैं कि परिस्थितियों के बावजूद कैसे हार नहीं माननी चाहिए, जिसने मुझे मानसिक रूप से शो में आगे बढ़ाया और नेतृत्व किया। मैने शो के दौरान कभी भी कोई स्टंट नहीं छोड़ा। एमएमए के अलावा, मेरे शासन में क्रॉसफ़िट, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और मोबिलिटी शामिल थी। तैयारी के दौरान मुझे रिकवरी के महत्व का और भी अधिक एहसास हुआ, जो कि हम अक्सर अपने शरीर को पर्याप्त मात्रा में नहीं देते आगे बाधा उत्पन्न हो सकती है। मैं समझ गई कि संतुलन बनाना जरूरी है।

इसलिए हमेशा अपने शरीर की सुनें और समय पर बर्फ से स्नान और मालिश करना सुनिश्चित करें।अपनी तैयारी के प्रति निमरित का समर्पण न केवल उनके शारीरिक परिवर्तन में बल्कि उनकी मानसिक दृढ़ता में भी स्पष्ट है, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक आदर्श उदाहरण है। उनकी यात्रा संतुलन, पुनर्प्राप्ति और मानसिक शक्ति के महत्व को रेखांकित करती है, जिससे कई लोगों को नए जोश के साथ अपने स्वयं के फिटनेस और कल्याण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलती है।

# मैथिली ठाकुर ने लगाए सुर

**मैदान के बाद अब अजय देवगन फिल्म औरों में कहां दम था के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान नीरज पांडे ने संभाली है।इस फिल्म में अजय की जोड़ी एक बार फिर तब्बू के साथ बनी है। दोनों ने कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। अब निर्माताओं ने औरों में कहां दम था का पहला गान किसी रोज जारी कर दिया है, जिसे गायिका मैथिली ठाकुर ने अपनी आवाज दी है।**

औरों में कहां दम था के नए गाने किसी रोज के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं, वहीं एमएम कीरावानी ने इस गाने को कंपोज किया है।यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे।औरों में कहां दम था 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामान विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट से होने वाला है।

अजय देवगन और तब्बू स्टारर इस फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। फिल्म अब 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब इस मूवी की टक्कर थिएटर्स में जाह्नवी कपूर की उलझ और विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से होने वाली है।

# ब्रेकअप के बाद भी मलाइका अरोड़ा की केयर करते दिखे अर्जुन कपूर, भीड़ से ऐसे बचाया

**अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफको लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। दोनों काफी समय से एक-दूसरे के साथ नजर आ रहे थे। हालांकि बीते दिन यानी शुक्रवार को मलाइका और अर्जुन को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। ऐसा लग रहा था कि हो सकता है दोनों के बीच अब सब ठीक हो गया हो। लेकिन अब जो नए वीडियोज सामने आए हैं उनको देखकर लग रहा है कि अब भी दोनों के बीच सही नहीं है।**

## अर्जुन ने की मलाइका की मदद

दरअसल, एक वीडियो सामने आया है जहां दोनों रैम्प वॉक देख रहे थे। हालांकि इस दौरान दोनों एक-दूसरे से दूर बैठे थे। दोनों के बीच काफी डिस्टेंस था। वहीं एक और क्लिप सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि मलाइका को भीड़ से बचाने के लिए अर्जुन पहले रास्ता बनाते हैं और फिर मलाइका वहां से चली जाती हैं। इसके बाद अर्जुन भी चले जाते हैं।

## लोगों ने की अर्जुन की तारीफ

इस वीडियो को देखकर अर्जुन की सभी तारीफ कर रहे हैं कि कैसे ब्रेकअप के बाद भी अर्जुन की मलाइका को लेकर केयर और रिस्पेक्ट बरकरार है। बता दें कि अर्जुन और मलाइका ने साल 2018 से एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। दोनों काफी समय से साथ थे। लेकिन फिर इसी साल मई में दोनों के ब्रेकअप की खबर आई। वहीं कुछ दिनों पहले जब अर्जुन का बर्थडे था तब सभी परिवार वाले और करीबी दोस्त शामिल हुए थे लेकिन मलाइका इसमें शामिल नहीं थीं जिसके बाद इस खबर को और हवा मिल गई।

अर्जुन की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह अब फिल्म सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अर्जुन कपूर विलेन के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, अजय देवगन, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ लीड रोल में हैं।

# वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर समझना बेहद जरूरी, कई लोग करते हैं ये गलती

**मोटापा बढ़ने से कई तरह की बीमारियां शरीर को घेर लेती हैं। खराब लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से लोग तेजी से मोटापे का शिकार बन रहे हैं। ऑफिस या घर में एक ही जगह घंटों-घंटों तक बैठे रहने से शरीर में चर्बी जमा होने लगती है, जिसे कम करने के लिए ज्यादातर लोग खूब पसीना बहाते हैं।**

हालांकि, कई बार तरीका सही न होने की वजह से वजन कम होने की बजाय बढ़ भी सकता है। दरअसल, कई लोग वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर नहीं समझ पाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें कई दिक्कतें होने लगती है। ऐसे में आइए जानते हैं वेट लॉस और फैट लॉस में क्या अंतर है।

## वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर

मोटापा घटाने के लिए सिर्फ वेट लॉस करना ही सही नहीं होता है। इस प्रक्रिया में शरीर के वजन से मसल्स, पानी, ग्लाइकोजन और फैट कम होता है। फैट लॉस में शरीर में पहले से ही स्टोर बॉडी फैट कम करते हैं, इसलिए यह ज्यादा अच्छा माना जाता है। यही कारण है कि फिट रहने के लिए वेट लॉस नहीं बल्कि फैट लॉस करने पर फोकस करना चाहिए।

## फैट कैसे घटाएं, मसल्स कैसे बचाएं

- **प्रोटीन से भरपूर डाइट लें :** शरीर के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी तत्व है। यह मांसपेशियों को मेंटेन रखने का काम करता है और नई मांसपेशियों का विकास करता है, जो वेट लॉस के दौरान मददगार होती हैं।
- **एक्सरसाइज करें:** रोजाना एक्सरसाइज कर मांसपेशियों को लूज करने से बचा सकते हैं। यह फैट लूज करने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। कई स्टडी में भी साबित हो चुका है कि मोटापे के शिकार लोग हफ्ते में अगर तीन बार कार्डियो और वेट ट्रेनिंग करते हैं तो उनमें मसल्स मेंटेन और वेट लॉस एक्सरसाइज न करने वालों की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से होता है।
- **कम कैलोरी डाइट:** वजन या मोटापा घटाने के लिए कम कैलोरी वाले फूड्स खाने चाहिए। कम कैलोरी और एक्सरसाइज से वजन कम रखा जा सकता है। अपनी डाइट में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं। वहीं, डेयरी प्रोडक्ट्स, कम मीठी चीज या ड्रिंक्स से एक्स्ट्रा कैलोरी को कम किया जा सकता है।

# मीका सिंह की गोद में दिखीं निक्की तंबोली लोग बोले- 'क्या पक रहा है? कोई बताएगा!'

**निक्की तंबोली लंबे समय तक गायब रही हैं और अचानक खबरों का हिस्सा बन गईं हैं। उनकी एक तस्वीर इस वक्त सिंगर मीका सिंह के साथ वायरल हो रही है। इस तस्वीर ने सामने आते ही कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर ये चल क्या रहा है। मीका सिंह के साथ निक्की काफी क्लोज हैं और एक कुर्सी पर दोनों नजर आ रहे हैं। रेड कलर की बोल्ड ड्रेस में निक्की को मीका सिंह की गोद में देखा जा सकता है। इसके बाद से चर्चा हो रही है कि मीका सिंह के साथ निक्की का क्या पक रह है?**

हालांकि ये तस्वीरें क्यों सामने आई हैं और इनका कारण क्या है इसको लेकर खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन लोगों का मानना है कि मीका सिंह और निक्की तंबोली किसी गाने में एक साथ नजर आने वाले हैं। हालांकि क्या होगा इसके लिए इंतजार करना पड़ेगा।

## लोग कर रहे हैं कमेंट्स

इस तस्वीर के सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा है, ''पैसे का चक्कर बाबूभाई।'' एक ने लिखा, ''ये कैसा फोटोशूट है।'' एक ने लिखा, ''यह बहुत बड़ा है, यह EPIC होने वाला है।'' एक ने लिखा, ''दोनों एक साथ कमाल के लग रहे हैं।'' एक ने लिखा, 'फायर जोड़ी है।'' इस तरह से लोग बातें कर रहे है। भारत के सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो, बिग बॉस 14 में भाग लेने के बाद निक्की तंबोली को प्रसिद्धि मिली। इस रियलिटी शो में अपनी जर्नी के बाद, उन्होंने कुछ लोकप्रिय टेलीविजन सेलेब्स के साथ कई म्यूजिक वीडियो में एक्ट किया। निक्की 'कंचना 3' नाम की तमिल फिल्म में दिखाई दी, जो उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक बन गई। इसके अलावा एक्ट्रेस ने दो तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। निक्की को स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 11' में भी देखा गया था।

**खास खबर**

## शिक्षा सप्ताह के छठे दिन स्कूलों में हुआ पौधरोपण एवं ईको क्लब कार्यक्रम

**जगदलपुर।** नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आयोजित शैक्षिक सप्ताह के छठे दिन मानव मिशन और इको क्लब पर आधारित कार्यक्रम जिले के समस्त प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक और उच्चत्तर माध्यमिक शालाओं में उत्साह पूर्वक मनाया गया। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार और सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे के मार्गदर्शन में सभ्यता शालाओं में वृक्षारोपण, पोषण वाटिका का विकास और एक पौधा मां के नाम के थीम पर पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न कराया गया। जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल इस बारे में बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी,रोजगार स्थापित करना और धन अर्जन करना ही नहीं है, वरन अपने आसपास का पर्यावरण एवं समाज का विकास भी करना है, अगर अपने आसपास का पर्यावरण अच्छा नहीं हुआ तो शिक्षण कार्य भी प्रभावित होता है। इसे ध्यान रखकर पर्यावरण के सुधार के लिए टीम बनाकर मिशन मोड में पौधरोपण करना महत्वपूर्ण कार्य हो गया है। उन्होंने अवगत कराया कि पर्यावरण और शिक्षा एक दूसरे के पूरक हैं इसे मद्देनजर रखते हुए नई शिक्षा नीति में समस्त शालाओं में इको क्लब यूथ क्लब जैसे  टीम गठित कर पर्यावरण और अपने आसपास के वातावरण को संरक्षित और स्वच्छ रखने का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को समस्त शालाओं में विद्यार्थियों, शिक्षकों सहित पालकों एवं उपस्थित नागरिकों ने अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु पौधरोपण करने एवं उन्हें यथासंभव बचाने का शपथ लिया।

## पर्यावरण और शिक्षा एक दूसरे के पूरक हैं, समाज का विकास भी उद्देश्य

**जगदलपुर।** नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत मनाई जा रहे शैक्षिक सप्ताह के छठे दिन के कार्यक्रम मानव मिशन और इको क्लब पर आधारित था जो आज बस्तर जिले के समस्त प्राथमिक पूर्व माध्यमिक और उच्चत्तर माध्यमिक शालाओं में उत्साह पूर्वक मनाया गया। कलेक्टर बस्तर विजय दयाराम के एवम प्रकाश सर्वे मुख्य कार्य अधिकारी जिला पंचायत बस्तर के निर्देश पर शालाओं में वृक्षारोपण, पोषण वाटिका का विकास, और एक पौधा मां के नाम के थीम पर पौधा रोपने का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। बलिराम बघेल जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा जानकारी दिया गया की नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना और धन अर्जन करना ही नहीं है, वरन अपने आसपास का पर्यावरण एवं समाज का विकास भी है। अगर अपने आसपास का पर्यावरण अच्छा नहीं हुआ तो शिक्षण कार्य भी प्रभावित होता है। अत: पर्यावरण के सुधार के लिए टीम बनाकर मिशन मोड में वृक्षारोपण करना महत्वपूर्ण कार्य हो गया है। अखिलेश मिश्रा जिला परियोजना समन्वय के मार्गदर्शन में चल रहे शैक्षिक सप्ताह के कार्यक्रम में आज छठे दिवस के संबंध में बताया की पर्यावरण और शिक्षा एक दूसरे के पूरक है। उसको देखते हुए नई शिक्षा नीति में समस्त शालाओं में इको क्लब,यूथ क्लब जैसे  टीम गठित कर पर्यावरण और अपने आसपास के वातावरण को संरक्षित और स्वच्छ रखने के लिए कार्य किया जा रहा है।  आज समस्त शालाओं में विद्यार्थियों, शिक्षकों पालकों एवं उपस्थित नागरिकों ने अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु वृक्षारोपण करने एवं उन वृक्षों को यथासंभव बचाने का शपथ लिया।

## लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण अधिनियम पर आयोजित हुई कार्यशाला

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर अटल नगर में शुक्रवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 (द पब्लिक एक्जामिनेशन, प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मींस, एक्ट 2024) पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में केन्द्र सरकार द्वारा पारित नये कानून के प्रावधानों के संदर्भ में आयोग के पैनल अधिवक्ता डॉ. सुदीप अग्रवाल, अधिवक्ता उच्च न्यायालय द्वारा उक्त कानून के संबंध में व्याख्यान दिया गया। विदित हो कि उक्त कानून 21 जून 2024 से भारत सरकार द्वारा लागू किया गया है, जिसके तारतम्य में उत्तरप्रदेश तथा बिहार सरकार द्वारा भी इस कानून को राज्य की परीक्षाओं में लागू करने का अध्यादेश पारित किया गया है।

# सीआरपीएफ स्थापना दिवस : पीएम मोदी ने फोर्स के अटूट समर्पण को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को बधाई देते हुए देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ की भूमिका को सर्वोपरि बताया।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा, सीआरपीएफ के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। राष्ट्र के प्रति उनका अटूट समर्पण और उनकी अथक सेवा वास्तव में सराहनीय है। वे हमेशा साहस और प्रतिबद्धता के उच्चतम मानकों के पक्षधर रहे हैं। हमारे देश को सुरक्षित रखने में भी उनकी भूमिका सर्वोपरि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर सुरक्षा बलों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

बता दें, सीआरपीएफ की स्थापना आजादी से पहले 1939 में अंग्रेजों ने की थी. तब इस बल का नाम क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस था। आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद में एक अधिनियम लाकर इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया।

आजादी के बाद देशी रियासतों को भारत सरकार के अधीन लाने की जिम्मेदारी भी सीआरपीएफ को दी गई। सीआरपीएफ ने वीरता दिखाते हुए जूनागढ़, हैदराबाद, काठियावाड़ और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में शामिल कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इन रियासतों ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही राजस्थान, कच्छ और सिंध सीमाओं में घुसपैठ की जांच में सीआरपीएफ ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

सीआरपीएफ ने 21 अक्टूबर 1959 को चीन के हमले को नाकाम करते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इस बलिदान की याद में हर साल 21 अक्टूबर को स्मृति दिवस मनाया जाता है।

इस बल ने 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। इस आक्रमण में सीआरपीएफ के 8 जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 1965 और 1971 में हुए भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध में भी सीआरपीएफ ने भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पाकिस्तान से युद्ध किया। 1970 के दशक में त्रिपुरा और मणिपुर में हुई शांति भंग के दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने कई सालों तक अभियान चला कर इलाके से उग्रवादियों का सफाया कर दिया।

इसके अलावा 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले को सीआरपीएफ के जवानों ने बहादुरी दिखाते हुए नाकाम कर दिया था। हमले के दौरान सीआरपीएफ और आतंकवादियों के बीच 30 मिनट तक फायरिंग हुई थी। जिसमें पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

## पीवीटीजी परिवारों को शत प्रतिशत गैस कनेक्शन से करें लाभान्वित-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह के परिवारो को शत प्रतिशत् उज्ज्वला गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज खाद्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं जिले भर के गैस एजेंसी संचालकों की बैठक ली।**

उन्होंने पीवीटीजी परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन से लाभान्वित करने निर्देश दिये।कलेक्टर ने जिला समन्वयक से उज्ज्वला योजना के तहत अब तक किए गए प्रगति की जानकारी ली। जिस पर जिला समन्वयक ने अब तक जिले में 1.18 लाख उज्ज्वला कनेक्शन होने की जानकारी दी। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविन्द पाण्डेय,जिला खाद्य अधिकारी सुधीर गुरु, जिला समन्वयक उज्ज्वला योजना कुन्दन कुमार सहित खाद्य निरीक्षक,सहायक खाद्य.अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला खाद्य अधिकारी ने बैठक में अब तक उज्ज्वला के जिले के कुल प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण होना बताया। इस पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत शासन से अतिरिक्त लक्ष्य मांग करने के संबंध में जिला खाद्य अधिकारी को पत्राचार करने के निर्देश दिये। खाद्य अधिकारी ने जिले में लगभग 4000 के-वाईसी पूर्ण होना बताया, जिसका कि कनेक्शन जारी किया जाना है।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के खाद्य निरीक्षकों को शत प्रतिशत विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के ई-केवाईसी फार्म भरने एवं उनका कनेक्शन जारी कराने अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिये। साथ ही गैस एजेंसियों की जाँच एवं उचित मूल्य दुकानों की भी सतत् निगरानी करने के निर्देश दिये।

## दुर्ग पहुंचे केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, कहा-बजट से जन आकांक्षाएं होगी पूरी, कांग्रेस के आरोपों को बताया निराधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू शनिवार को दुर्ग पहुंचे। यहां वे शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महा. (सांइस कॉलेज) में आयोजित मोदी 3.0 बजट संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होने केन्द्रीय बजट पर बुद्धजीवी वर्ग से सीधे संवाद कर केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट को जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट बताया। केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के दुर्ग पहुंचने पर बीआईटी कॉलेज के सामने जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जोशिला स्वागत अभिनंदन किया गया। इसके पहले केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू केन्द्रीय बजट को लेकर सर्किट हॉउस में मीडिया से रुबरु हुए। श्री साहू ने मोदी 3.0 की केन्द्रीय बजट की उपलब्धियां गिनवाते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के संकल्पों को पूरा करने वाला बजट है। देश जब आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा,तो विकसित भारत के रुप में खड़ा रहेगा। इस ऐतिहासिक बजट में किसान,युवा, महिलाएं, बुजूर्ग, श्रमिकों व अन्य वर्गों का ध्यान रखकर प्रावधान किए गए है। इससे यह केन्द्रीय बजट जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। केन्द्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के हिस्से क्या आया? इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में रेल लाइन का विस्तार करने बजट में प्रावधान किए गए है। सरगुजा को 3 नई परियोजनाएं मिली है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विकास के लिए बजट में करोड़ों रुपए का आबंटन किया गया है। केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने केन्द्रीय बजट को लेकर विपक्ष कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होने कहा है कि केन्द्रीय बजट किसी राज्य विशेष का नही होता है। यह पूरे देश का बजट है। केन्द्रीय बजट में सभी राज्यों का ध्यान रखा गया है। विपक्ष कांग्रेस का कोई विजन नहीं है। उनका कार्य केवल पीएम मोदी और भाजपा का विरोध करना ही रह गया है। मीडिया से चर्चा के दौरान केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री साहू के साथ दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर,जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष महेश वर्मा, जिला भाजपा प्रभारी राजीव अग्रवाल, पूर्व मंत्री रमशिला साहू, जिला भाजपा महामंत्री सुरेन्द्र कौशिक, भाजपा नेता कांतिलाल बोथरा, विनोद अरोरा, विनायक नातू,संजय बोहरा, तुलसी साहू, मनीष भंडारी, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया व अन्य नेता मौजूद रहे।

## यातायात जागरूकता अभियान के तहत स्कूलों में आयोजित की गई यातायात पाठशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**धमतरी।** यातायात जागरूकता अभियान के तहत उच्च मा0 वि0 गोपालपुरी एवं नूतन स्कूल सिहावा चौक में आयोजित की गई यातायात पाठशाला। धमतरी पुलिस यातायात द्वारा वाहन से आने वाले नाबालिक वाहन चालकों का किया गया आकस्मिक चेकिंग। नाबालिक वाहन चालकों के अभिभावकों को तलब कर दी गई समझाईश। स्कूल के पास स्थिति दुकानों को चेक कर नशीली सामग्री नही बेचने दी गई समझाईश। धमतरी पुलिस से डीएसपी. ट्रैफिक मणिशंकर चन्द्रा एवं ट्रैफिक स्टॉफ द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उच्च0 माध्य0 विद्या0 गोपालपुरी एवं नूतन स्कूल सिहावा चौक में पहुंचकर यातायात पाठशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें उपस्थित 250 छात्र-छात्राओं को चौक चौराहों में लगे सिग्नल एवं रोड मार्किंग के बारे में बताया गया कि सिग्नल में तीन तरह के लाल, पीली, हरी लाईट लगे होते है, तीनों लाईटों का मतलब अलग-अलग होता है, जैसे लाल लाईट में वाहन को रोकना, हरी लाईट में वाहन को आगे बढ़ाना, पीली लाईट में सतर्क होना होता है।

इसी प्रकार चौक-चौराहों में वाहन चालकों एवं पैदल यात्री की सुविधा के लिए रोड मार्किंग की जाती है, जिसमें सेण्ट्रल मार्किंग, लेफ्ट टर्न मार्किंग,स्टॉफ लाईन एवं जेब्रा कासिंग बना होता है, स्टाप लाईन वाहन चालकों के लिए बनाया जाता है, जिसमें लाल लाईट होने पर वाहन चालक अपने वाहन को रोककर खड़े होते है, इसीप्रकार जेब्रा कासिंग पैदल यात्रियों को चौक-चौराहा पार करने के लिए बनाया जाता है, पैदल यात्री इसका उपयोग जब लाईट हरी होती है, उस दरमियान करते है। सड़क दुर्घटना के कारण एवं दुर्घटना से बचने के उपाय को बताया गया कि सड़क दुर्घटना अत्यधिक तेजगति से वाहन चलाने, शराब सेवन या नशापान कर वाहन चलाने, रांग साईड वाहन चलाने, क्षमता से अधिक भार या यात्री परिवहन करने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग करने के कारण होती है, एवं सड़क सुरक्षा उपकरण हेलमेट का सीटबेल्ट का उपयोग नही करने से दुर्घटना होने पर अत्यधिक गंभीर चोंट या मृत्यु भी हो जाती है।

दुर्घटना से बचने के उपायों के बारे में बताया गया कि जब कभी दोपहिया चारपहिया वाहन चलाये या बैठे आवश्यक रूप से हेलमेट या सीटबेल्ट का उपयोग करे, वाहन निर्धारित गति पर चलाये, रांग साईड वाहन न चलाये, वाहन चलाने के दौरान मोबाईल फोन, हेडफोन या म्यूजिक सिस्टम का प्रयोग न करें, यातायात संकेतो का पालन करने से सड़क दुर्घटना से बची जा सकती है।

नूतन स्कूल के छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारण कर लक्ष्यानुरूप पढ़ाई करने के लिए अभिप्रेरित किया गया, साथ ही नवकार महिला मंडल एवं बच्चों के साथ मिलकर पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

निजात अभियान के तहत स्कूली बच्चों को नशा पान नही करने और कोई आपके आसपास नशीली सामग्री बेचता है, तो पुलिस को सूचित करने बताया गया। स्कूल परिसर के बाहर दुकानों को चेक कर नशीली सामग्री नहीं बेचने एवं बच्चों को नशीली सामग्री नही देने के संबंध में समझाईश दिया गया।

## विधायक ने जन समस्या निवारण पखवाड़ा का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**महासमुंद।** प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महासमुंद नगरपालिका के वार्ड क्रमांक 1, 14, और 16 का जनसमस्या निवारण शिविर महासमुंद नगर पालिका के शंकर नगर वार्ड में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला कला बाई में आयोजित हुआ। शिविर का शुभारंभ विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने किया। इन शिविरों में नगरीय निकाय की स्थानीय समस्याओं का निदान किया जाएगा। शिविर आगामी 10 अगस्त तक नगरीय निकाय के सभी वार्डों से प्राप्त आवेदनों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

विधायक श्री सिन्हा ने शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित कार्रवाई करने उपस्थित अधिकारियों को कहा। विधायक ने कहा कि वार्ड वासियों के रहवासी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए नालियों की गंभीरता से सफाई के निर्देश दिए। इसमें नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे-छोटे कार्य होते हैं, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है।इनके साथ ही जलापूर्ति में लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों व गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन,सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाइट्स का बंद रहना जैसी समस्याएं भी होती हैं।

## अग्नि वीर थलसेना चयनित प्रतिभागियों का शारीरिक प्रशिक्षण 1 अगस्त से होगा प्रारम्भ

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओपी चौधरी के पहल पर रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा अग्नि वीर भारती थल सेना परीक्षा के लिखित चयनित प्रतिभागियों के लिए 45 दिनों का शारीरिक प्रशिक्षण कोर्स प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया था। वित्त मंत्री श्री चौधरी के निर्देशन पर रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए उर्दना पुलिस लाइन, रायगढ़ का स्थल प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया है। जो भी प्रतिभागी रायगढ़ जिले के अंतर्गत निवासरत हैं और जिन्होंने अग्नि वीर भर्ती परीक्षा 2024 लिखित परीक्षा में शामिल होकर शारीरिक परीक्षा के लिये चयनित हुए हैं वे सभी प्रतिभागी इस शारीरिक योग्यता प्रशिक्षण कैम्प में भाग ले सकते हैं।

## खास खबर

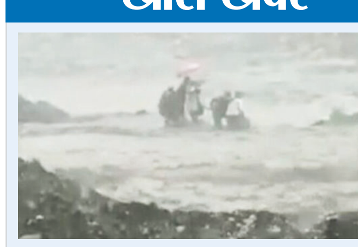

### खदान में बहे अधिकारी जितेंद्र नागरकर का शव बरामद

**कोरबा।** एसईसीएल की कुसमुंडा मेगा प्रोजेक्ट में शनिवार की शाम भारी वर्षा के दौरान खदान में कार्यरत 6 लोग पानी के बहाव में फंस गए। इनमें से 5 लोग सुरक्षित रूप से निकलने में सफल रहे, लेकिन जितेंद्र नागरकर सहायक प्रबन्धक माइनिंग का पैर फिसलने के कारण पानी के बहाव में बह गए। इस हादसे के बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रात भर की जद्दोजहद के बाद रविवार सुबह जितेंद्र नागरकर का शव बरामद किया गया।

एस ई सी एल की कुसमुंडा कोयला खदान के ओव्हर बर्डन का काम गोदावरी नामक निजी कंपनी को दिया गया है। बारिश में ओव्हर बर्डन का काम निरीक्षण के लिए चार अधिकारी 27 जुलाई की दोपहर करीब 3 बजे गोदावरी फेस पर गए थे। इनमें सीनियर अंडर मैनेजर के पद पर पदस्थ गोदावरी फेस इंचार्ज जितेन्द्र नागरकर भी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान एकाएक बारिश शुरू हो गई तो इससे बचने के लिए चारों अधिकारी गुमटी में चले गए। करीब 5 बजे तक यहां वे रुके रहे लेकिन बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। इस बीच चारों अधिकारियों ने किसी तरह यहां से निकलने की सोची। तब तक तेज बारिश के कारण खदान क्षेत्र में ऊपरी पानी का बहाव और दबाव बढने लगा था। खदान के ओल्ड केट फेस में भारी पानी आने की वजह से मिट्टी बहने लगी। इधर किनारे-किनारे चट्टानों का सहारा लेकर निकलने की जुगत में 2 अधिकारी तो सकुशल वहां से बाहर आ गए लेकिन जितेन्द्र नागरकर व एक अन्य अधिकारी बहने लगे। एक अधिकारी ने तो किसी तरह चट्टान को पकडक़र अपनी जान बचा ली लेकिन जितेंद्र नागरकर पानी और मिट्टी के बहाव में तेजी से बह गए।

बाहर निकले अफसरों से सूचना मिलने पर एसईसीएल के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन व पुलिस के अफसरों को भी जानकारी दी गई। एसडीआरएफ की टीम बिलासपुर से बुलाई गई और बहे अधिकारी जितेंद्र नागरकर की तलाश की जाने लगी। पूरी रात की गई तलाश के बाद आज सुबह मृतक का शव बरामद किया गया।

### सुरक्षा व शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस टीम ने पैदल पेट्रोलिंग की

**राजनांदगांव।** पुलिस अधीक्षक राजनांदगाँव मोहित गर्ग के निर्देशानुसार एएसपी मुकेश ठाकुर (ऑप्स) एवं एएसपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देश किया गया कि अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर शहर के गली मोहल्लों, चौक चौराहों व कालोनियों में पैदल पेट्रोलिंग करने दिया निर्देश। चोरी की घटना बढ़ने के संभावनओं को देखते हुए अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पैदल पेट्रोलिंग करने कहा गया। शहर भ्रमण के दौरान संदिग्धों से पूछताछ करना, गुंडा बदमाश निगरानी बदमाश व असामाजिक तत्वो पर सतत् निगाह रखने व प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। भ्रमण के दौरान मोटर सायकल से घूमते आवारागर्दी करते लड़कों निगरानी बदमाश व असामाजिक तत्वों को रोक कर पूछताछ एवं तलाशी ली गई। अनावश्यक घुमने वाले मंचलों को रात्रि में घर पर रहने की समझाईश दी गई। इसी प्रकार जिले के सभी अनुविभाग/थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ पैदल पेट्रोलिंग किया। पैदल पेट्रोलिंग से आमजनों का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है और गुंडा बदमाशों में भय बना रहेगा।

# राजधानी में 'बंटी-बबली' गिरोह का भांडाफोड़

## प्रेमी-प्रेमिका ने लोगों को लगाया करोड़ों का चूना, मकान व जमीन दिलाने के नाम पर दिया झांसा

### टिकरापारा थाना पुलिस ने करीब 32 लोगों की शिकायत पर दर्ज की एफआईआर

**रायपुर (ए.)।** छत्तीसगढ़ में प्रेमी-प्रेमिका ने मिलकर एक करोड़ का फ्रॉड किया है। उन्होंने आरडीए के अधिकारियों के साथ सांठगांठ होने की बात कहकर 32 लोगों को अपने झांसे में लिया। इसके बाद कौशल्या विहार (कमल विहार) में सस्ते दामों में मकान दिलाने के नाम पर कई लोगों से करीब एक करोड़ रुपए ऐंठ लिया।

आरोपी अभय यादव ने अपनी प्रेमिका चेतना यादव और उसके भाई के साथ मिलकर 2 साल तक लोगों को गुमराह किया। इस सबके लिए उन्होंने रायपुर के लालपुर में एक शानदार ऑफिस भी ले रखा था। हालांकि कई लोगों से ठगी करने के बाद मौका पाते ही आरोपी फरार हो गए। टिकरापारा थाना पुलिस ने करीब 32 लोगों की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की है।

#### शानदान ऑफिस में बैठकर करता डील

पीड़िता सरिता करकाड़े ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि, वह पचपेड़ी नाका में किराए के मकान पर रहती है। मार्च 2024 में उसे जानकारी मिली कि, अभय रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन नाम से लालपुर में ऑफिस है। ऑफिस को अभय कुमार यादव नामक व्यक्ति चलाता है। ऑफिस को देखकर और भी कई लोगों ने उससे संपर्क किया। इस शानदार ऑफिस में अभय की प्रेमिका चेतना यादव और भाई निहाल यादव भी बैठते थे। अभय ने बाकी लोगों की तरह सरिता को भी बताया कि, उसकी आरडीए में बड़े अधिकारियों के साथ पहचान व सेटिंग है। कमल विहार में मकान और जमीन सस्ते दामों पर बेच रहा है।

अभय ने लोगों को कमल विहार इलाके में करीब 11 लाख रुपए में 1 बीएचके और 2 बीएचके मकान बनाकर देने का झांसा दिया। इसके अलावा आरोपियों ने कुछ लोगों को सस्ते दरों में जमीन दिलाने का भी ऑफर दिया था। लोगों ने जब कहा कि उनके पास इतने पैसे नहीं है तो उसने किस्तों में पैसे चुकाने का ऑफर भी दिया। तीनों शातिर आरोपियों ने ज्यादातर किराए में रहने वाले लोगों को टारगेट किया। कम दरों में खुद के मकान का लालच मिलने और किश्त में पैसे देने की बात सुनकर ये लोग भी बातों में आ गए। इसके बाद करीब 32 लोगों ने अलग-अलग किस्तों में 91 लाख रुपए ठग को दे दिए। आरोपियों ने लोगों से कैश, ऑनलाइन, चेक सभी तरीके से रुपए वसूल किये हैं।

#### करीब 2 साल तक ऐंठे इस तरह रुपए

प्राप्त जानकारी के अनुसार ठगों ने अपना ऑफिस 2022 की शुरुआत में खोला था। इसके बाद से लगातार लोगों से मकान और जमीन के बहाने पैसे वसूलते रहे। 16 मार्च 2024 को सरिता कारकडे ने 2.30 लाख रुपए दे दिए। इसी तरह सरिता गोंड ने दो लाख रुपए, राधेश्याम सेन ने 6 लाख 7 हजार रुपए, संतोषी सेन ने 2.81 लाख रुपए, मीना यादव ने 2.30 लाख रुपए, सोनिया पाल ने 2.72 लाख रुपए, इमलचंद साहू और अजय साहू ने 50-50 हजार रुपए दिए हैं।

इस मामले में रायपुर सिटी एएसपी लखन पटले ने कहा कि करीब 32 लोगों ने टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनके साथ सस्ते दरों में जमीन और मकान बेचने के नाम पर ठगी की गई है। इस मामले में तीन आरोपियों का नाम सामने आया है। पुलिस उनके खोजबीन में जुटी है। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

### अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

**रायपुर (ए.)।** कबीरनगर और सिविल लाइन थाना क्षेत्र से अज्ञात चोरों ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार न्यू चंगोराभाठा निवासी जुगल किशोर 46 वर्ष ने कबीरनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएफ 6334 को वीर सावरकर नगर हीरापुर में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं सिविल लाइन थाना में प्रार्थी अजीत खेतपाल 45 वर्ष निवासी बैरनबाजार ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमबी 6734 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 27 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

# इंस्टा पर जॉब ऑफर का रील देख लिंक पर क्लिक करना पड़ा भारी

### युवती से हुई लाखों की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सोशल मीडिया के जरिए ठगी के नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। लगातार लोग सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन ठगी का शिकार हो रहे हैं इसके बाद भी ऐसी घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। ताजा मामले में सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में कातुलबोड की रहने वाली एक युवती ठगी का शिकार हो गई। युवती ने इंस्टाग्राम पर एक जॉब ऑफर की रील देखी और लिंक पर क्लिक कर दिया। फिर क्या था ठगों ने युवती को झांसे में लिया और उससे तीन लाख रुपए से ज्यादा की ठगी कर दी। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद स्मृति नगर पुलिस ने अज्ञात कॉलर के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार 7वीं बटालियन कातुलबोड़ सी 6 निवासी 20 वर्षीय लक्ष्मी ठंडन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 14 जुलाई 2024 को उसने इंस्टाग्राम पर रील के माध्यम से एक जॉब अप्लाई का विज्ञापन देखी। जिस पर क्लिक करने पर वाट्सअप पर उनका डिटेल्स लिया गया। इसके बाद उसमें खाता बनाने के लिए एक लिंक भेजा गया तथा उसमें डिटेल्स भरने के बाद ख्र्ठ्ठह्लह्ड्ड नामक साइट खुला। जिसमें बोनस राशि के रूप में 60 रुपए दिया गया।

इसके बाद टास्क के लिए 100 रुपए भेजने के बाद वाटसअप पर ही टेलीग्राम लिंक भेजा गया। जिसमें डिटेल्स भरकर यूजरनेम झ्ड्ढ्ह्न्द्ब्द्ध×1द्ब्द्धह्ल्स्न412 पर भेजने पर काम के बारे में जानकारी दी गई। 160 रुपए का ऑर्डर पूरा करने पर 240 रुपए का लाभ दिखाया गया और राशि का निकालने के लिए बैंक डिटेल्स मांगा गया। युवती ने पैसे निकालने के लिए अपना बैंक डिटेल डाल दिया। इसके बाद मुझे बहुत से टास्क दिया गया जिसके लिए मुझे एक टास्क राशि हर टास्क के लिये जमा करना पड़ा और ऐसे बहुत से टास्क मिले जिसे पूरा करने के बाद भी लाभ की राशि नहीं मिली। इसके बाद टास्क के लिए युवती ने अपनी मां मंजू टंडन के फोन पे खाते से कई ट्रांजेक्शन हुए। शातिरों ने लाभ का भरोसा देकर युवती व उसके मंजू टंडन (मम्मी) के खाता से कुल 3,32813 निकाल लिए। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# छत्तीसगढ़ में नक्सली साजिश को जवानों ने किया नाकाम, एक नक्सली गिरफ्तार

**सुकमा (ए.)।** सुकमा में सुरक्षाबलों की मुस्तैदी से नक्सली एक बार फिर से अप्रिय घटना को अंजाम देने में नाकाम हुए। चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत मुकरम इलाके में एक नक्सली विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, नक्सली सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए आईईडी विस्फोटक लगाने की तैयारी कर रहा था। लेकिन नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सर्चिंग पर निकले जवानों ने घेराबंदी कर नक्सली को पहले ही गिरफ्तार कर लिया।

मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि सुकमा जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियान में एक अभियान ऑपरेशन मानसून भी है। इसी के तहत जब नक्सली गतिविधियों की जानकारी सुरक्षाबलों को मिली तो कोबरा सीआरपीएफ डीआरजी और एसटीएफ की टीम इलाके में निकली।

इस दौरान मुकरम के पास जवानों की आवाजाही वाले इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति के छुपने और भागने की कोशिश करने लगा था। जवानों ने घेराबंदी कर पकड़ा और तलाशी के दौरान थैली में विस्फोटक के सामग्री थी। पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ कि उक्त नक्सली जवानों को निशाना बनाने के लिए आईडी लगाने जा रहा था। इसके बाद नक्सली को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेजा गया।

पूछताछ में अपना नाम मड़कम बण्डी पिता मड़कम हुंगा उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी फुलनपाड़ थाना चिंतलनार जिला सुकमा (छग) का होना बताया गया। जिसके कब्जे से थैले में चेकिंग करने पर एक टिफिन बम लगभग दो किग्रा बरामद हुआ।

# पंप सुधारने कुएं में उतरे तीन लोगों की मौत

## दुर्ग से पहुंची एसडीआरएफ की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जिले के थाना चंदनु क्षेत्र के ग्राम कुआं में पंप सुधारने कुएं उतरे तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दुर्ग से एसडीआरएफ की टीम को रवाना किया गया। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीनो शवों को बाहर निकाला। वहीं नवागढ़ पुलिस व नवागढ़ तहसीलदार विनोद बंजारे मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया।

नवागढ़ तहसीलदार विनोद बंजारे ने बताया कि खेत के कुंए में पहले से पंप लगा हुआ था। इसे सुधारने के लिए सबसे पहले दो लोग उतरे थे। इसके बाद वो वापस नहीं आए। फिर तीसरा व्यक्ति कुंएं में उतर गया, वो भी वापस नहीं आया। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीनों शवों को बाहर निकाल लिया है। मृतकों में आत्माराम साहू पिता परदेशी साहू 55 वर्ष, राकेश साहू पिता बाबूलाल साहू 25 वर्ष, रामकुमार ध्रुव पिता रामलाल 45 वर्ष शामिल हैं।

### इनामी महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

**मोहला-मानपुर (ए.)।** अंबागढ़ चौकी जिले के पास महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक महिला नक्सली ने महाराष्ट्र पुलिस और सीआरपीएफके समक्ष सरेंडर कर दिया है। बताया जा रहा है कि अब तक महाराष्ट्र फोर्स के समक्ष 671 माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़ समाज के मुख्य धारा से जुड़ गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, आत्मसमर्पित नक्सली कमांडर के बारे में महाराष्ट्र नक्सल सेल ने बताया कि, रीना बोर्रा साल 2006 मे पेरमीली दलम मे भरती हुई थी। इसके बाद साल 2007 से नक्सलियों के सप्लायर टीम की सदस्य के रुप में कार्य करने की शुरुआत सिलाई, कपड़ा काटने और सिलाई मशीन चलाने का प्रशिक्षण लिया। साल 2008-2014 तक टेलरिंग टीम में सदस्य के पद पर कार्यरत थी। साल 2014 में टेलर टीम में कमांडर पद पर पदोन्नती होकर कई मुठभेड़ हत्याकांड में वह प्रत्यक्ष रूप से शामिल थी।

महाराष्ट्र फोर्स ने बताया कि, वरिष्ठ माओवादी नेता केवल अपने फायदे के लिए गरीब आदिवासी युवक और युवतियों का इस्तेमाल करते हैं। अगर कोई सदस्य समूह में रहते हुए शादी कर भी लेता है तो वह स्वतंत्र वैवाहिक जीवन नहीं जी सकता।

# नाबालिग से दुष्कर्म : प्रैग्नेंट हुई तो मां के साथ मिलकर करवाया गर्भपात

## आरोपी मां-बेटा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर में नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात का मामला सामने आया है। युवक ने नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाया और उससे लगातार दुष्कर्म करता रहा। इस बीच नाबालिग प्रैग्नेंट हो गई तो उसने अपनी मां को सारी बताई। इसके बाद मां व बेटे ने मिलकर नाबालिग का गर्भपात करा दिया। इस मामले में नाबालिग व उसके परिजनों की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया और आरोपी मां-बेटा को गिरफ्तार किया गया। यह पूरा मामला थाना तुमला क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार तुमला थाना क्षेत्र की एक 18 वर्षीय किशोरी ने परिजनों के साथ 2 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 18 मार्च 2023 की रात को सुमित डनसेना ने शादी करने का प्रलोभन दिया और बहला-फुसलाकर अपने साथ लेजाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने कई बार उससे दुष्कर्म किया। उस दौरान लड़की नाबालिग थी। बार बार दुष्कर्म करने से वह गर्भवती हो गई। यह बात सुमित डनसेना ने अपनी मां को बताया।

मां के कहने पर सुमित डनसेना ने लड़की को अपने घर में ले गया। जहां पर उसकी मां ने सुमित को गर्भपात की दवाई लाने भेज। सुमित दवाई लेकर पहुंचा तो उसने लड़की को मां गर्भपात की गोली खिला दी, इससे प्रार्थिया का गर्भ उतर गया। अब जब लड़की ने उससे शादी की बात की तो उसने इंकार कर दिया। इसके बाद लड़की ने थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। थाने में शिकायत की बात पता चलने पर आरोपी सुमित फरार हो गया। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। विवेचना दौरान मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली कि सुमित डनसेना अपने बड़े भाई के ससुराल ग्राम टांगरजोर जिला सुन्दरगढ़ (ओड़िसा) में छिपा हुआ हुआ है। सूचना पर थाना प्रभारी तुमला निरीक्षक कोमल नेताम के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया। सुंदरगढ़ में घेराबंदी कर सुमित डनसेना को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया। उसकी मां को भी महिला कर्मचारियों के सहयोग से अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी सुमित डनसेना (20) व सरोजनी डनसेना (40) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रकरण की विवेचना में निरीक्षक कोमल सिंह नेताम, प्रधान आरक्षक जेम्स खलखो, आरक्षक सुजीत खाखा, देवसिंह एक्का, महिला आरक्षक सरोजनी खलखो का सराहनीय योगदान रहा।


SWACHH SURVEKSHAN 2024 | TULIP

नगर पालिक निगम रिसाली जिल दुर्ग (छ.ग.)

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

क्र./जन.स्वा.वि./2024/60 रिसाली, दिनांक : 26/07/2024

//आवश्यकता//

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुक्रम में राज्य के समस्त नगरीय निकायों में बीटेक/बीई स्नातक आवेदकों से Swachh TULIP कार्यक्रम अन्तर्गत TULIP INTERN TRAINEE हेतु निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

| ईंटर्नशिप की अवधि | आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि | एकमुश्त देय राशि | आवश्यक INTERN TRAINEE की संख्या | संपर्क (मो. नं.) |
|---|---|---|---|---|
| 12 सप्ताह | 05.08.2024 | 4500/- रूपये | 5 | 8982777289 9713757585 |

इच्छुक अभ्यर्थी अपना ऑनलाईन आवेदन https://internship.aicte-india.org/ में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी/पात्रता इत्यादि हेतु उपरोक्त मोबाईल नंबर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

केवल ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकृत किये जावेंगे।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
रिसाली

# छत्तीसगढ़ के दो जिलों को जल्द मिलेगी खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृतिः केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया

## केन्द्रीय मंत्री ने खेलों इंडिया सेंटर में दिए जा रहे खेल सुविधाओं और श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दो जिलो में जल्द ही खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा खेलों इंडिया सेंटरों में अधोसंरचना निर्माण के लिए भरपूर मदद दी जाएगी। केन्द्रीय खेल मंत्री न्यू सर्किट हाउस में खेल एवं श्रम विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक किरण देव सिंह, सुशांत शुक्ला भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के 31 जिलों में खेलों इंडिया सेंटर का संचालन किया जा रहा है। दो जिलों में खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति मिलने के बाद राज्य के सभी जिलों में खेलों इंडिया सेंटर प्रारंभ हो जाएंगे। इससे राज्य के खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा। इन सेंटरों में 1181 खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि राज्य में खेल एवं खिलाड़ियों के संवर्धन और विकास के लिए राज्य में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए। राज्य में स्थापित उद्योगों से खेलों के लिए सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराने के प्रयास किया जाए। खेलों इंडिया के तहत राज्य में स्थापित सभी सेंटरों में खेलों के लिए आवश्यक सभी संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि राज्य के श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही केन्द्रीय एवं राज्य योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाए जाएं। औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों के

## केंद्रीय खेल मंत्री जैवलिन थ्रो खिलाड़ी के प्रतिभा के हुए कायल

### सरगुजा के विजय यादव ने 68 मीटर भाला फेककर दिखाया दम

### केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने छत्तीसगढ़ के खेल प्रतिभाओं को सराहा

रायपुर। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने छत्तीसगढ़ के जैवलिन थ्रो के 16 वर्षीय खिलाड़ी विजय यादव की तारीफ की और ओलंपियन नीरज चोपड़ा से प्रेरणा लेने कहा। उन्होंने श्री यादव को शाबासी देते हुए कहा कि इतने कम उम्र में यह उम्दा प्रदर्शन है। सरगुजा जिले के इस खिलाड़ी ने 68 मीटर से अधिक की लंबी दूरी तक भाला फेंककर अपना दम दिखाया। केन्द्रीय खेल मंत्री राजधानी रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुलाकात करने पहुंचे थे। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉलर सुश्री किरण पिस्दा का भी उत्साहवर्धन किया।

किरण ने क्रोएशिया के फर्स्ट क्लास टीम डब्ल्यूएफसी डिनामो जाग्रेब की ओर से प्रोफेशनल खिलाड़ी के तौर पर यूरोपियन फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुकी है। पिछले पांच वर्षों से वह रायपुर फुटबाल अकादमी ट्रेनिंग ले रही थी। सुश्री किरण केरला बालस्टर्स वुमन और सेतु एफसी के लिए भी खेल चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी देश की बेटिया इसी तरह खेल का प्रदर्शन कर देश का नाम रौशन करेंगे।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने खेलों इंडिया लघु केंद्र में वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ियों से मुलाकात की और खेलों में उनके प्रदर्शन को सराहा। राज्य के अलग-अलग जिलों से खेल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। तीरंदाजी, फुटबॉल, एथलेक्टिक्स के खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक सुशांत शुक्ला, खेल सचिव हिमशिखर गुप्ता, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा व खेल संचालक तनुजा सलाम और बड़ी संख्या में खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

## प्रदेश के ईएसआईसी अस्पतालों की व्यवस्थाएं होंगी दुरूस्त

केंद्रीय रोजगार, खेल और श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा है कि राज्य के रायगढ़, कोरबा, भिलाई और रायपुर में संचालित ईएसआईसी अस्पताल में चिकित्सक सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त की जाएगी। उन्होंने श्रम विभाग के प्रस्ताव पर रायगढ़ जिले के लारा और खरसिया में ईएसआईसी औषधालय प्रारंभ किए जाने की सहमति भी दी। इस अवसर पर बैठक में श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, खेल मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक किरण देव और सुशांत शुक्ला उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ के प्रवास पर रायपुर पहुंचे केंद्रीय रोजगार, खेल और श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने आज रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में मंत्री लखनलाल देवांगन के साथ विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने केंद्रीय मंत्री मंडाविया को प्रदेश के ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) अस्पतालों में डॉक्टरों, विशेषज्ञ डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ नर्सिंग स्टाफकी कमी के संबंध में अवगत कराया। मंत्री देवांगन ने बताया की प्रदेश में ईएसआईसी द्वारा रायपुर, भिलाई, कोरबा और रायगढ़ में क्रमशः 100-100 बेड के अस्पतालों का निर्माण कराया गया है। सभी जगह स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ हो चुकी है, लेकिन कोरबा, भिलाई और रायगढ़ में अब तक आईपीडी की सुविधा शुरु नही हुई है। उक्त दोनों जिलों में क्रमशः 40 हजार और 50 हज़ार श्रमिक परिवार पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टर और स्टाफनहीं होने से श्रमिक परिवारों को अन्य शहर रेफर करना पड़ता है। मंत्री श्री देवांगन ने ईएसआईसी के सभी चारों अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर व अन्य सुविधाएं प्रारंभ करने का अनुरोध किया। इस पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने ईएसआईसी के अधिकारियों को अस्पताल की सारी कमियां दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग के प्रस्ताव पर लारा, खरसिया में ईएसआईसी के औषधालय की सहमति दी। बैठक में ईएसआईसी में ईपीएफओ में पंजीकृत श्रमिक समीक्षा हुई। केन्द्रीय श्रम मंत्री ने ईपीएफओ के अधिकारियों पर नाराजगी भी जाहिर की और अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर श्रमिकों को पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य परीक्षण के लिए औषधालयों में आवश्यक उपकरण और विशेषज्ञों के साथ-साथ आवश्यक दवाईयों का भण्डारण पर्याप्त रूप से हो। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराएं। श्रमिकों के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था के साथ-साथ सिकलसेल के परीक्षण एवं उपचार की भी व्यवस्था की जाए।

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन और खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने राज्य में खेलों के विकास के लिए स्कूल स्तर से ही बच्चों को सुविधाएं और प्रशिक्षण की व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि खेल मैदान में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। श्रम विभाग की सचिव श्रीमती अलरमेलमंगई डी. ने अवगत कराया कि राज्य के श्रमिकों का पंजीयन कर श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य के प्रवासी श्रमिकों के लिए विभिन्न राज्यों में प्रवासी संसाधन केन्द्र अर्थात मोर चिन्हारी भवन का निर्माण किया जा रहा है। इससे प्रवासी श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर सहयोग मिल सकेगा। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, संयुक्त सचिव तारन प्रकाश सिन्हा,,खेल संचालक तनुजा सलाम सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

# विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने केन्द्रीय बजट से मिलेगी मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार का आम बजट जनहितकारी है। यह सभी वर्गों के कल्याण के लिए बनाया गया है, इससे विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में काम करने में मदद मिलेगी। यह बात केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित बजट संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने अपने संबोधन में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाले सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में जरुर सफल होंगे।

केंद्रीय मंत्री डॉ मांडविया ने कहा कि बजट सरकार की कार्यशैली का प्रतिबिंब होता है। इस बजट से जनहितकारी तथा समावेशी विकास का लक्ष्य साकार होते दिखता है। उन्होंने देश के किसान, युवा, गरीब और महिला वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी और कहा कि इन वर्गों के विकास से ही हमारा देश विश्व पटल में अग्रणी देश के रूप में उभर कर सामने आएगा। डॉ. मांडविया ने केंद्रीय बजट संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय

बजट की कई प्रमुख खूबियों को प्रकाश में लाया। उन्होंने बजट को विकासात्मक और समावेशी बताया। उन्होंने कहा कि बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े निवेश की बात की गई है।

इसके अलावा, बजट में छोटे व्यवसायों और उद्यमियों के लिए प्रोत्साहन, टैक्स में राहत, और समाज के कमजोर वर्गों के लिए विशेष योजनाओं की घोषणाएं भी की गई हैं। यह बजट सरकार की समग्र विकास की दिशा और आर्थिक सुधारों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. मनसुख मांडविया ने केंद्रीय बजट के बारे में बताते हुए कहा कि केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विकास के सरोकारों को लेकर कार्य कर रही है, जिसके अंतर्गत बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, नए अस्पतालों और क्लिनिकों की स्थापना, और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष राशि आबंटित की गई है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और टीकाकरण कार्यक्रमों के लिए भी फंडिंग बढ़ाई गई है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए बजट में कई योजनाएं प्रस्तुत की गई हैं। इनमें नए स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना, शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था, और डिजिटल शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को सुलभ बनाने के प्रयास शामिल हैं। डॉ मांडविया ने कहा कि बजट में सड़क, रेलवे और एयरपोर्ट जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की घोषणा की गई है। इससे यातायात की सुविधा बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और कृषि सुधारों पर बजट में दिए गए जोर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बजट में सिंचाई परियोजनाओं, कृषि यांत्रिकीकरण, और ग्रामीण रोजगार योजनाओं के लिए खास तौर पर धन आवंटित किया गया है। मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ावा देने और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए नई योजनाएं बनाई गई हैं। इसमें डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करना और गरीब वर्गों के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना शामिल है। इसी तरह बजट में वित्तीय प्रबंधन को सुधारने और टैक्स सिस्टम को सरल बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं। इसमें टैक्स में छूट और कर नियमों में सुधार शामिल हैं ताकि करदाताओं को राहत मिले और व्यवस्था अधिक पारदर्शी हो सके।

उन्होंने बताया कि इन सभी सुधारों से सरकार की आर्थिक विकास की दिशा और प्राथमिकता स्पष्ट होती है। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक खुशवंत साहेब, मोतीलाल साहू, किरण सिंह देव, इंद्र कुमार साहू, सुशांत शुक्ला एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा व्यापरिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ में स्किल्ड-बेस्ड एजुकेशन, प्राकृतिक औषधालय और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मिलेगा बढ़ावा: विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की नौवीं बैठक में राज्य की विकास योजना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य की प्राथमिकताओं और विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी, जिसमें शिक्षा, मानव संसाधन विकास , स्वास्थ्य, और तकनीकी उन्नति पर जोर दिया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं को साझा किया, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में राज्य की भूमिका को स्पष्ट करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि , छत्तीसगढ़ 2047 तक विकसित भारत में प्रमुख भूमिका निभाएगा। वर्तमान में राज्य का त्रस्ष्ठक्क 5.05 लाख करोड़ रुपये है, जिसे अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और लक्ष्यों पर काम शुरू किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के विकास में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का मुख्य फोकस स्किल्ड मानव संसाधन तैयार करने पर है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा को व्यावसायिक कौशल और ट्रेनिंग से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को ऐसी क्षमताएँ देना है जो उन्हें रोजगार के लिए तैयार करें। राज्य में प्रत्येक छात्र के लिए 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी कार्ड' (,क्क्रआईडी ) बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसमें छात्र के शैक्षणिक अनुभव से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में मौजूद होंगी।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता, सतत विकास, और राज्य की संस्कृति व परंपरा के संरक्षण की योजना साझा की। आर्थिक सशक्तिकरण के लिए छत्तीसगढ़ सुपर फूड्स की पैदावार और प्राकृतिक औषधालयों का निर्माण किया जाएगा। स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग और ब्रांडिंग को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईटी सेक्टर के विस्तार के साथ-साथ सड़कों, इमारतों जैसी भौतिक संरचनाओं और इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क जैसी डिजिटल सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए केंद्र से सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि छतों पर सौर ऊर्जा लगाने की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है और 100 गांवों को पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बनाने की योजना बनाई है। सरकारी भवनों में रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है, और नया रायपुर के अधिकांश सरकारी भवनों में ये संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं, जिनसे विद्युत आपूर्ति ग्रिड में की जाती है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मार्च 2026 तक 96 प्रतिशत घरों में पेयजल पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक केवल विकसित ही नहीं, बल्कि जल-सुरक्षित भारत 2047 भी होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से तकनीकी और आर्थिक सहयोग की उम्मीद जताई।

इसके अलावा, रायपुर में नेशनल ग्राउंड वाटर ट्रेनिंग और रिसर्च इंस्टीट्यूट को और मजबूत करने के साथ-साथ वर्षा-जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र की स्थापना की भी मांग की। उन्होंने कहा कि, इसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ में बारिश के पानी को सही से संचित और इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे जल संकट कम होगा और किसानों को ज्यादा मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की तैनाती की गई है। अब छत्तीसगढ़ के सबसे दुर्गम इलाकों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं। इन मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री साय ने भूमि और संपत्ति के मुद्दों पर कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी भूमि रिकॉर्ड डिजिटल किए जा रहे हैं। इस तकनीक से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगेगा।

उन्होंने बताया कि इस सुधार से भूमि विवादों को आसानी से सुलझाया जा सकेगा, जिससे राज्य में निवेश और विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्तीसगढ़ की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के प्रति समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार की सहायता से छत्तीसगढ़ राज्य अपने विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा और विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस मौके पर समस्त केन्द्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केन्द्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नर्स, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, गवर्निंग काउन्सिल के सदस्य व छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950